■ मार्गशीर्ष शुक्ल - 6 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 133 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 07-12-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

JPRPARK INFRA LLP
रेरा रजि. नं. RAJ/P/2024/2965
www.rera.rajasthan.gov.in

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना

मानसरोवर विस्तार
जयपुर में
आवासीय फ्लैट्स
के अंतिम चरण हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

कल
अंतिम दिन

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना-3A
के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं
रियल एस्टेट रेगुलेशन एक्ट में पंजीकृत आवासीय योजना

जे पार्क
मानसरोवर विस्तार
जयपुर

आवेदन की अंतिम तिथि
8 दिसम्बर, 2024

1BHK पंजीकरण राशि ₹66,000
कुल राशि ₹24.5 लाख*

3BHK पंजीकरण राशि ₹96,000
कुल राशि ₹48 लाख*

90% तक लोन उपलब्ध
विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी
राजस्थानवासियों के लिए 2 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

संपर्क करें
9358150067
9251625252

आवेदन हेतु
www.cmjanaawas.com

आरबीआई का प्रयास मुद्रास्फीति के 'घोड़े' पर लगाम लगाने पर केंद्रित : गवर्नर दास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने नीतिगत ब्याज दर को लगातार 11वीं बार अपरिवर्तित रखने पर शुक्रवार को कहा कि उनका प्रयास मुद्रास्फीति रूपी घोड़े को काबू में रखने पर केंद्रित है। दास ने आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि मुद्रास्फीति और वृद्धि के बीच संतुलन 'अस्थिर' हो गया है लेकिन इसे दोबारा सही स्थिति में लाने के लिए सभी तरीके आजमाए जाएंगे।

उनका इशारा दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि के उम्मीद से कहीं कम 5.4 प्रतिशत रहने और अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति छह प्रतिशत से अधिक रहने की तरफ था। आरबीआई गवर्नर के तौर पर अगले हफ्ते अपना दूसरा कार्यकाल पूरा करने जा रहे दास ने यह सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया कि लचीली मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारण की 'विश्वसनीयता' भविष्य में भी बनी रहे। दास ने कहा, (मुद्रास्फीति) घोड़ा सरपट भागने की दिलेरी से कोशिश कर चुका है। हमारा प्रयास है कि इसकी लगाम खींच कर रखी जाए। केंद्रीय बैंक ने बढ़ी हुई मुद्रास्फीति के बीच वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि के अनुमान को काफी कम करके 6.6 प्रतिशत कर दिया है। आरबीआई ने पहले इसके 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था। दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक के लिए 'आकस्मिक' प्रतिक्रिया की कोई गुंजाइश नहीं होती है और कोई भी कार्रवाई उपलब्ध साक्ष्यों पर विचार करने के बाद समय पर की जाएगी। उन्होंने कहा, वृद्धि और मुद्रास्फीति की गतिशीलता के बीच संतुलित चरित्र कुछ हद तक अस्थिर हो गया है। हमारा प्रयास अब उस संतुलन को बहाल करने का है। इसका मतलब है कि हम मुद्रास्फीति अपने लक्ष्य (चार प्रतिशत) के करीब आ जाए। हम वृद्धि को भी तेज होते हुए देखना चाहते हैं।

आरबीआई ने लघु वित्त बैंकों को यूपीआई के माध्यम से कर्ज सुविधा देने की अनुमति दी

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने लघु वित्त बैंकों को यूपीआई के जरिये पहले से स्वीकृत कर्ज देने की अनुमति देने का शुक्रवार को प्रस्ताव किया।

यूपीआई (एकीकृत भुगतान इंटरफेस) मोबाइल फोन के जरिये लेनदेन के लिए भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा विकसित एक त्वरित वास्तविक समय भुगतान प्रणाली है। यूपीआई के दायरे का सितंबर 2023 में विस्तार किया गया। इसके तहत पूर्व-स्वीकृत कर्ज को यूपीआई के माध्यम से जोड़ा गया था। भुगतान बैंकों, लघु वित्त बैंकों (एसएफबी) तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को छोड़कर वाणिज्यिक बैंकों द्वारा 'फंडिंग' खाते के रूप में उपयोग किये जाने की सुविधा दी गयी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने कहा कि यूपीआई पर पूर्व-स्वीकृत ऋण के तहत नए-नए ऋण ग्राहकों को कम दाम तथा कम समय में उत्पाद उपलब्ध कराने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि एसएफबी अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचने के लिए उच्च प्रौद्योगिकी, कम लागत वाले मॉडल का सहारा लेते हैं और यूपीआई पर ऋण की पहुंच का विस्तार करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

देश की वृद्धि दर अगले पांच साल तक छह से आठ प्रतिशत रहेगी : वैष्णव

नई दिल्ली/भाषा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के परिवर्तनकारी बदलावों के कारण देश अगले पांच वर्षों तक छह से आठ प्रतिशत की दर से वृद्धि करता रहेगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक उथल-पुथल और तनावों के बावजूद भारत यह उपलब्धि हासिल करेगा।

वैष्णव ने 'एनडीटीवी इंडियन ऑफ द ईयर' पुरस्कार समारोह में कहा कि भारत की वृद्धि गाथा बड़े पैमाने पर सार्वजनिक निवेश, विनिर्माण और नवाचार पर जोर, समावेशी विकास और कानूनों के सरलीकरण के चार स्तंभों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि दुनिया ने वैश्विक उथल-पुथल, दो युद्धों, आपूर्ति शृंखलाओं में व्यवधान और कोविड-19 महामारी के कारण विश्व अर्थव्यवस्था को हुए नुकसान के समय भारत को आशा की किरण के रूप में देखा।

मंत्री ने भारत की लगातार आर्थिक वृद्धि के लिए मोदी की सोच और स्पष्ट रूप से तय की गईं योजनाओं को श्रेय दिया।

बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

केजरीवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शाहदरा, जनकपुरी, लक्ष्मी नगर और अन्य सीट पर हजारों मतदाताओं के नाम हटाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग में आवेदन दाखिल किए हैं। उन्होंने कहा, ''भाजपा ने शाहदरा क्षेत्र में 11,018 मतदाताओं के नाम हटाने के लिए आवेदन किया है। जब हमने 500 नामों संबंधी आवेदन की समीक्षा की तो पता चला कि 75 प्रतिशत लोग अब भी वहां रह रहे हैं लेकिन उनके नाम मतदाता सूची से हटाए जा सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में शाहदरा विधानसभा सीट पर 'आप' ने करीब 5,000 मतों से जीत हासिल की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अब उस निर्वाचन क्षेत्र में करीब 11,000 मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं और इनमें से अधिकतर मतदाता 'आप' समर्थक हैं।

केजरीवाल ने निर्वाचन आयोग से शाम तक सभी आवेदनों को अपनी वेबसाइट पर अपलोड करने का आग्रह किया ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का विस्तार 11 या 12 दिसंबर को होने की संभावना

मुंबई/भाषा। देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार 11 या 12 दिसंबर को होने की संभावना है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पूरी संभावना है कि अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा वित्त विभाग और भाजपा गृह विभाग अपने पास रखेगी, जैसा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली पिछली सरकार में था।

शिवसेना सूत्रों की मानें तो शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना शहरी विकास मंत्रालय अपने पास रखेगी और राजस्व मंत्रालय भी उसे मिल सकता है। महाराष्ट्र में मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 43 मंत्री हो सकते हैं। 'महायुति' गठबंधन के सबसे बड़े घटक दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 21-22 मंत्री पद मिलने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार शिवसेना को 11 से 12 और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को 9 से 10 मंत्री पद मिल सकते हैं। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि शपथ लेने वाले मंत्रियों की संख्या पर अंतिम फैसला एक-दो दिन में लिया जाएगा। नवनिर्वाचित विधायकों को शनिवार से शुरू हो रहे विधानसभा के तीन दिवसीय विशेष सत्र में अस्थायी अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) कालिदास कोलांबकर शपथ दिलाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव नौ दिसंबर (सोमवार) को होगा, जिसके बाद नई सरकार का विश्वास मत होगा और राज्यपाल दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगे।

काला मास्क पहनकर और संविधान की प्रति लेकर विपक्षी सांसदों ने निकाला मार्च

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के कई घटक दलों के सांसदों ने अदाणी समूह से जुड़े मुद्दे को लेकर शुक्रवार को संसद परिसर में काले रंग का मास्क पहनकर और हाथों में संविधान की प्रति लेकर मार्च निकाला।

कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद), झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कुछ अन्य दलों के सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ नारे लगाए और जवाबदेही तय किए जाने की मांग की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा इस मार्च की अगुवाई कर रहे थे।

तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने पिछले कुछ दिन की तरह आज भी इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लिया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने आरोप लगाया कि सरकार अदाणी के मुद्दे पर चर्चा कराने से डर रही है। उन्होंने कहा, ''अदाणी के मुद्दे पर (संसद में) चर्चा करने की उनमें हिम्मत नहीं है। चर्चा कराने से दिक्कत क्यों है... चर्चा लोकतंत्र में ही होती है, वे इससे डरते हैं।''

कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा, ''आज भारतीय संविधान के निर्माता बी. आर. आंबेडकर की पुण्यतिथि है। यहां अदाणी के लिए संवैधानिक अधिकारों का हनन किया गया है। हम सांकेतिक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। जब अदाणी का नाम आता है, तो भारत सरकार मुद्दे को भटकाने की कोशिश करती है।'' रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोपों में अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी और कंपनी के अन्य अधिकारियों पर अमेरिकी अभियोजकों द्वारा अभियोग लगाए जाने के बाद कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दल संयुक्त संसदीय समिति से आरोपों की जांच कराए जाने की मांग कर रहे हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हाल ही में इस मामले को लेकर उद्योगपति गौतम अदाणी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की थी। अदाणी समूह ने सभी आरोपों को निराधार बताया है।

'मांग में कमी के कारण 3 साल से हीरा उद्योग चुनौतियों का सामना कर रहा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को राज्यसभा में कहा कि देश का हीरा क्षेत्र पिछले तीन साल से मांग में कमी और रूस पर जी7 प्रतिबंध आदि के कारण चुनौतियों का सामना कर रहा है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक सवाल के लिखित जवाब में उच्च सदन को यह जानकारी दी। उनसे सवाल किया गया था कि क्या यह सच है कि पिछले तीन साल से देश में हीरा क्षेत्र को भारी मंदी का सामना करना पड़ रहा है। इसके जवाब में गोयल ने कहा, ''जी हां, हीरा क्षेत्र पिछले तीन साल से प्रमुख निर्यात गंतव्यों में मांग में कमी और रूसी मूल के हीरों पर जी 7 प्रतिबंधों जैसे आपूर्ति संबंधी वजहों के कारण चुनौतियों का सामना कर रहा है।'' उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में हीरे का निर्यात घटकर 18.37 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया जो 2021-22 में 25.48 अरब अमेरिकी डॉलर था। उन्होंने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में आयात भी घटकर 23 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया, जबकि 2021-22 में यह 28.86 अरब अमेरिकी डॉलर था। गोयल ने बताया कि अक्टूबर 2020 के नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) रत्न और आभूषण अध्ययन के अनुसार, हीरा उद्योग में लगभग 18,036 कंपनियां और 8,19,926 कर्मचारी हैं।

सीरिया के घटनाक्रमों पर करीबी नजर बनाए हुए हैं : भारत

नई दिल्ली/भाषा। सीरिया में इस्लामवादियों के नेतृत्व में विद्रोहियों का नियंत्रण बढ़ने के बीच भारत ने शुक्रवार को कहा कि वह वहां की स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है। विद्रोहियों ने देश के सबसे बड़े शहर अलेप्पो के अधिकतर भूभाग पर कब्जा करने के बाद बृहस्पतिवार को मध्य सीरिया के शहर होम्स को भी काफी हद तक अपने कब्जे में कर लिया है। हजारों लोगों को होम्स छोड़कर जाना पड़ा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने उत्तर सीरिया में हाल में लड़ाई तेज होने पर ध्यान दिया है। हम स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हैं। सीरिया में लगभग 90 भारतीय नागरिक हैं, जिनमें से 14 संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न संगठनों के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारा मिशन हमारे नागरिकों की सुरक्षा के लिए लगातार उनसे संपर्क बनाए हुए है।

शंभू बॉर्डर पर जत्थे को रोके जाने के बाद किसानों ने एक दिन के लिए मार्च स्थगित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शंभू (पंजाब)/भाषा। पंजाब-हरियाणा सीमा पर आंसू गैस के गोले लगने से कुछ किसानों के घायल होने के बाद प्रदर्शनकारी किसानों ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी समेत विभिन्न मांगों को लेकर दिल्ली की ओर अपना पैदल मार्च शुक्रवार को दिन भर के लिए स्थगित कर दिया।

इससे पहले, 101 किसानों के एक जत्थे ने शुक्रवार को दिल्ली के लिए पैदल मार्च शुरू किया, लेकिन उन्हें कुछ मीटर बाद ही हरियाणा के सुरक्षा कर्मियों द्वारा लगाए गए बहुस्तरीय अवरोधक के कारण रुकना पड़ा। जब कुछ किसान अवरोधकों के पास पहुंच गए, तो सुरक्षाकर्मियों ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया।कुछ किसान सड़क से लोहे की कीलें और कंटीले तार उखाड़ते नजर आए और उन्होंने धुएं से बचने के लिए गीले जूट के बोरे से अपने चेहरे ढके हुए थे। 'सतनाम वाहेगुरु' का उद्घोष करते हुए और अपने यूनियन के झंडे थामे हुए जत्थे के कई किसानों ने शुरुआती अवरोधकों को आसानी से पार कर लिया, लेकिन आगे नहीं बढ़ सके। विभिन्न किसान यूनियन के झंडे थामे कुछ किसानों ने घग्गर नदी पर बनाए गए पुल पर सुरक्षाकर्मियों द्वारा लगाई गई लोहे की जाली को नीचे धकेल दिया। प्रदर्शनकारियों में से एक टिन शेड की छत पर चढ़ गया, जहां सुरक्षा बल तैनात थे। उसे नीचे उतरने के लिए मजबूर किया गया। शंभू बॉर्डर पर पानी की बौछारें करने वाले वाहन भी तैनात किए गए हैं। हरियाणा पुलिस ने किसानों से आगे न बढ़ने को कहा और अंबाला जिला प्रशासन द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू होने का हवाला दिया। एक किसान नेता ने दावा किया कि हरियाणा के सुरक्षाकर्मियों द्वारा आंसू गैस के गोले दागे जाने के कारण पांच से छह प्रदर्शनकारी किसान घायल हो गए। बाद में किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि किसानों के घायल होने के बाद प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार को दिल्ली की ओर अपना पैदल मार्च स्थगित कर दिया। उन्होंने कहा कि घायल किसानों को अस्पताल ले जाया गया। पंधेर ने कहा, ''कुछ किसानों के घायल होने के मद्देनजर हमने आज के लिए जत्था वापस बुला लिया है।'' उन्होंने कहा कि किसान संगठनों के दो मंच संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा, एक बैठक के बाद अगले कदम के बारे में फैसला करेंगे। इससे पहले, पंधेर ने मार्च शुरू करने वाले 101 किसानों को 'मरजीवड़ा' (ऐसे लोग, जो किसी मकसद के लिए जान भी देने को तैयार हों) कहा था।

पंधेर ने हरियाणा प्रशासन द्वारा पैदल मार्च पर रोक लगाए जाने की आलोचना की। किसान फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी के लिए केंद्र पर दबाव बनाने को लेकर दिल्ली की ओर मार्च कर रहे हैं।

किसानों को रोकने का प्रयास निंदनीय, उनकी मांगों पर तत्काल अमल हो : राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि किसानों दिल्ली आने से रोकने का प्रयास निंदनीय है तथा सरकार को उनकी मांगों को गंभीरता से सुनकर उस पर अमल करना चाहिए। पंजाब एवं हरियाणा सीमा के शंभू बॉर्डर से 101 किसानों के एक जत्थे ने शुक्रवार को दिल्ली के लिए पैदल मार्च शुरू किया, लेकिन उन्हें कुछ मीटर बाद ही बहुस्तरीय अवरोध लगाकर रोक दिया गया।

जब कुछ किसान शंभू बॉर्डर पर हरियाणा की ओर लगाए गए अवरोधकों के पास पहुंच गए, तो सुरक्षाकर्मियों ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, किसान, सरकार के समक्ष अपनी मांगों को रखने और अपनी पीड़ा को व्यक्त करने के लिए दिल्ली आना चाहते हैं। उन पर आंसू गैस के गोले दागना और उन्हें तरह-तरह से रोकने का प्रयास करना निंदनीय है।

दूसरी तिमाही की सुस्ती 'प्रणालीगत' नहीं, तीसरी तिमाही में होगी भरपाई : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि सितंबर तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर में आई सुस्ती 'प्रणालीगत' नहीं है और तीसरी तिमाही में बेहतर सार्वजनिक व्यय के साथ आर्थिक गतिविधि इस नरमी की भरपाई कर सकती है।

जुलाई-सितंबर तिमाही में देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) सात तिमाहियों के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। वहीं अप्रैल-जून तिमाही में वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत थी। इस सुस्ती के बीच रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए वृद्धि दर अनुमान को 7.2 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। सीतारमण ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, यह प्रणालीगत सुस्ती नहीं है। यह सार्वजनिक व्यय, पूंजीगत व्यय और इसी तरह की अन्य गतिविधियों में कमी की वजह से है...मुझे उम्मीद है कि तीसरी तिमाही में इन सबकी भरपाई हो जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में वृद्धि आंकड़ों पर बुरा असर पड़ना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा, हमें कई अन्य कारकों पर भी ध्यान देने की जरूरत है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत अगले साल और उसके बाद भी सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। आम चुनाव और पूंजीगत व्यय में कमी के कारण पहली तिमाही में वृद्धि की रफ्तार सुस्त रही। इसका असर दूसरी तिमाही पर भी पड़ा है। पहली छमाही में सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपए के अपने पूंजीगत व्यय लक्ष्य का सिर्फ 37.3 प्रतिशत ही खर्च किया। सीतारमण ने कहा कि आर्थिक वृद्धि को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों में वैश्विक मांग में स्थिरता भी शामिल है, जिसने निर्यात वृद्धि को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, भारतीयों की क्रय शक्ति बढ़ रही है, लेकिन भारत के भीतर आपको वेतन में वृद्धि के स्थिर होने से जुड़ी चिंताएं भी हैं। हम इन कारकों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। इनका भारत की अपनी खपत पर प्रभाव पड़ सकता है।

आयुष्मान भारत योजना में धोखाधड़ी को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने की नीति : मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने शुक्रवार को कहा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने का दृष्टिकोण है। उन्होंने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह भी कहा कि ऐसे मामलों से निपटने के लिए जिलों, राज्यों और राष्ट्रीय स्तर पर त्रि-स्तरीय शिकायत निवारण प्रणाली लागू है। गुजरात में पीएमजेएवाई-आयुष्मान भारत योजना के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों द्वारा की जा रही अनावश्यक सर्जरी पर एक सवाल का जवाब देते हुए स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि 12 नवंबर को अस्पताल और संबंधित चिकित्सकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि अस्पताल और आरोपी चिकित्सकों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) से बाहर कर दिया गया है।

सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल नहीं है एचपीवी टीका : नड्डा ने लोकसभा में कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि 'ह्यूमन पेपिलोमावायरस' (एचपीवी) टीका सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है। एचपीवी संक्रमण से सर्विकल या गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर होता है।

नड्डा ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के हिस्से के रूप में गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर सहित सामान्य गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की जांच, प्रबंधन और रोकथाम के लिए जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है।

रोकथाम, नियंत्रण और स्क्रीनिंग की सेवाएं आशा और एएनम कार्यकर्ता महिलाओं समेत प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदान की जा रही है। नड्डा ने कहा कि आबादी आधारित स्क्रीनिंग से जल्द रोग की पहचान और उपचार के माध्यम से बेहतर रोग प्रबंधन में मदद मिलती है। भारत सरकार का स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग एनएचएम के तहत राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम कार्यक्रम के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को तकनीकी और वित्तीय सहयोग प्रदान करता है।

केंद्र सरकार 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान शुरू करेगी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तपेदिक (टीबी) के मामलों का पता लगाने, निदान में देरी को कम करने और विशेष रूप से उच्च जोखिम वाले समूहों में उपचार के परिणामों में सुधार लाने के लिए प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान शुरू करने जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बयान में बताया कि देश के 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 347 जिलों में लागू की जाने वाली इस पहल का उद्देश्य टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों में इस बीमारी से निपटने की गतिविधियों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस 100 दिवसीय अभियान में टीबी मामलों की दर, निदान कवरेज और मृत्यु दर जैसे प्रमुख संकेतकों के प्रदर्शन में सुधार की परिकल्पना की गई है। बयान के मुताबिक, यह पहल मंत्रालय द्वारा हाल ही में किए गए नीतिगत सुधारों के अनुरूप भी है, जिसमें टीबी रोगियों के लिए निक्षय पोषण योजना के तहत वित्तीय सहायता में वृद्धि और प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान में सामाजिक पहल सहायता के तहत घरेलू संपर्कों को शामिल करना शामिल है।

चंद्रपुर में 100 से अधिक छात्र अस्पताल में भर्ती, विषाक्त भोजन के कारण अस्वस्थ होने का संदेह

चंद्रपुर/भाषा। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में संदिग्ध विषाक्त भोजन के सेवन के कारण 100 से अधिक छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि जिले की सावली तहसील में पारदी के जिला परिषद स्कूल के कुल 106 विद्यार्थियों ने बुधवार दोपहर में स्कूल में भोजन किया था और इसके बाद उन्होंने पेट दर्द की शिकायत की तथा रात में उन्हें उलटी होने लगी। जिला सिविल सर्जन डॉ महादेव चिंचोले ने कहा, ''जब वे बृहस्पतिवार को स्कूल पहुंचे तो छात्रों में वही लक्षण दिखे। इसलिए उन्हें पहले ग्रामीण अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। बाद में उन्हें अन्य अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया। वर्तमान में, 62 छात्र मुल तहसील के उप-जिला अस्पताल में, 20 गढ़चिरौली जिला अस्पताल में, 17 सावली में और बाकी चंद्रपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हैं।''

■ मार्गशीर्ष शुक्ल - 6 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 133 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 07-12-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'संविधान की प्रति दिखाने वाले बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर मौन क्यों'

6 देवेंद्र फडणवीस के साथ पटरी पर महाराष्ट्र की राजनीति

7 आईएमडीबी की लिस्ट में तृप्ति डिमरी सबसे लोकप्रिय भारतीय स्टार बनी

फर्स्ट टेक

'फेंगल' प्रभावित लोगों को राहत के लिए तमिलनाडु को 944 करोड़ जारी

नई दिल्ली/भाषा। गृह मंत्रालय ने चक्रवात 'फेंगल' से प्रभावित लोगों को राहत सहायता प्रदान करने के लिए एसडीआरएफ से केंद्रीय हिस्से की दोनों किस्तों के रूप में तमिलनाडु सरकार को 944.80 करोड़ जारी करने की मंजूरी दे दी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, प्रधानमंत्री के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री के मार्गदर्शन में सरकार प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित राज्यों के लोगों की कठिनाई कम करने में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बाप रे बाप

चपरासी पद पर आवेदक,
बीए एमए यार बाप रे !
अभियंता अब बने मिस्त्री,
डॉक्टर है बीमार बाप रे !
खातों में बैलेन्स नहीं पर,
लिंक हुआ आधार बाप रे !
आश्वासन में ढूंढ रहे हैं,
युवा रोज रुजगार बाप रे!!

दिल्ली और दिल से दूरी के भाव को कम करने का मन से प्रयास किया : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए शुक्रवार को कहा कि लंबे समय तक पूर्वोत्तर क्षेत्र को वोटों की संख्या से तौला गया, लेकिन जब से केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनी है, तब से उन्होंने दिल्ली और दिल से दूरी के भाव को कम करने का मन से प्रयास किया है।

राष्ट्रीय राजधानी स्थित भारत मंडपम में तीन दिवसीय अष्टलक्ष्मी महोत्सव का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार पूर्वोत्तर को भावना, अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी की त्रिवेणी से जोड़ रही है। उन्होंने कहा कि विगत 10 वर्षों से पूर्वोत्तर के हर राज्य में स्थायी शांति के प्रति एक अभूतपूर्व जन-समर्थन दिख रहा है और केंद्र व राज्य सरकारों के प्रयासों से हजारों नौजवानों ने हिंसा का रास्ता छोड़ा है तथा विकास का नया रास्ता अपनाया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के आठ राज्यों, असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम में अष्टलक्ष्मी के दर्शन होते हैं और साथ ही विश्वास जताया कि आने वाला समय पूर्वी भारत और पूर्वोत्तर का होगा। उन्होंने कहा, ''लंबे समय तक हमने देखा है कि विकास को कैसे वोटों की संख्या से तोला गया। नॉर्थईस्ट के पास वोट कम थे, सीटें कम थीं, इसलिए पहले की सरकारों द्वारा वहां के विकास पर ध्यान नहीं दिया गया।''

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए अलग मंत्रालय गठित किए जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, ''बीते दशक में हमने मन से प्रयास किया कि दिल्ली और दिल इससे दूरी का जो भाव है...वो कम होना

पूजा-अर्चना

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को ओडिशा के मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में पूर्णेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करती हुईं।

सोमालिया तट के पास चीनी जहाज का अपहरण

मोगादिशु/एपी। सोमालिया के उत्तर-पूर्वी तट के पास चीन के स्वामित्व वाले मछली पकड़ने के एक जहाज का पिछले सप्ताह अपहरण कर लिया गया। स्थानीय अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जहाज पर चालक दल के 18 सदस्य सवार थे। अर्ध-स्वायत्त राज्य पुंटलैंड के शाफुन जिले के एक अधिकारी ने संवाददाताओं को बताया कि अपहरणकर्ताओं में जहाज के सुरक्षा गार्ड भी शामिल हैं, जो बाद में तटीय क्षेत्र के हथियारबंद लोगों के साथ मिल गए। अपहरण किये गये जहाज को पुंटलैंड में रखा गया है। यूरोपीय संघ के समुद्री डकैती रोधी नौसैनिक बल, यूनावफोर अटलांटा ने बृहस्पतिवार को एक बयान जारी कर इस घटना की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया और जहाज के हथियारबंद लोगों के कब्जे में होने की पुष्टि की।

डॉलर पर निर्भरता कम करने की योजना नहीं, केवल जोखिम-मुक्त करने की कोशिश : दास

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने शुक्रवार को कहा कि भारत की अपने व्यापारिक लेनदेन में 'डॉलर पर निर्भरता घटाने' की कोई योजना नहीं है और वह सिर्फ अन्य साधनों से इसे जोखिम-मुक्त करने की कोशिश कर रहा है।

दास अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड

ट्रंप के एक बयान पर पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे।

दास ने यहां आरबीआई मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, जहां तक भारत का सवाल है तो हमने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया है जो खास तौर पर व्यापार विनिमय में डॉलर पर निर्भरता को कम करना चाहता हो। दास ने कहा कि भारत के प्रयास वोस्ट्रो खातों की अनुमति देने और स्थानीय मुद्रा में व्यापार लेनदेन निपटाने के लिए दो देशों के साथ समझौते करने तक सीमित हैं। उन्होंने कहा, यह कदम मूल रूप से हमारे व्यापार को जोखिम मुक्त करने के लिए है।

राज्यसभा में सिंघवी की सीट के पास 500 रुपए के नोटों की गड्डी मिली, सदन में हंगामा

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को बताया कि बृहस्पतिवार को उच्च सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद एंटी सेबोटाज टीम (तोड़फोड़ निरोधक दस्ता) को नियमित जांच के दौरान कांग्रेस के सदस्य अभिषेक मनु सिंघवी की सीट के पास 500 रुपए के नोटों की गड्डी मिली। इसे लेकर कुछ देर सदन में हंगामा हुआ और सत्ता पक्ष तथा विपक्ष के सदस्यों में तीखी नोकझोंक भी हुई।

सिंघवी ने संवाददाताओं से बातचीत में 500 रुपए के नोटों की गड्डी मिलने की बात पर हैरानी जताई और कहा कि इस तरह के मामलों पर राजनीति होना हास्यास्पद है। उन्होंने यह भी कहा कि वह सदन में जाते हैं तो उनके पास 500 रुपए का एक नोट होता है और अगर सुरक्षा से जुड़ा कोई विषय है तो उस पर कार्रवाई होनी चाहिए।

धनखड़ ने सदन को अवगत कराया कि सीट संख्या 222 के पास मिली नोटों की गड्डी पर आज सुबह तक जब किसी ने दावा नहीं किया तो उन्होंने सदन की परिपाटी का पालन करते हुए इसकी जांच सुनिश्चित की। उन्होंने कहा, ''कल सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद सुरक्षा अधिकारियों ने संभवत: सीट संख्या 222 से नोटों की एक गड्डी बरामद की। यह सीट फिलहाल तेलंगाना राज्य से निर्वाचित अभिषेक मनु सिंघवी को आवंटित है।'' उन्होंने कहा, ''जांच चल रही है।''

अमित शाह कल आएंगे जोधपुर, वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का करेंगे अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार से जोधपुर के दो दिवसीय दौरे पर आएंगे। इस दौरान वह सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। वह रविवार को जोधपुर के सर्किट हाउस के बाहर वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। केंद्रीय मंत्री शाह शनिवार रात 9.30 बजे जोधपुर पहुंचेंगे और रात को बीएसएफ गेस्ट हाउस में रुकेंगे। इसके बाद रविवार को एसटीसी बीएसएफ ट्रेनिंग सेंटर में स्थापना दिवस परेड में हिस्सा लेंगे।

अमित शाह के कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को संभागीय आयुक्त, कलेक्टर और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की बैठक हुई। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 दिसंबर को जयपुर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट का उद्घाटन करेंगे।

जयपुर में राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट की तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। सुरक्षा कारणों से प्रधानमंत्री मोदी के आगमन से एक घंटा पहले उद्घाटन स्थल पर प्रवेश बंद कर दिया जाएगा। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी दोपहर 12 बजे के बाद दिल्ली वापस लौट जायेंगे।

सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट में भाग ले सकते हैं, हालांकि उनका कार्यक्रम अभी तय नहीं हुआ है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि कई केंद्रीय मंत्रियों ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट में हिस्सा लेने के लिए अपने कार्यक्रमों को अंतिम रूप दे दिया है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, रामदास अठावले, भागीरथ चौधरी और अन्य के शामिल होने की उम्मीद थी। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी और केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले सकते हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट 9 से 11 दिसंबर तक जयपुर प्रदर्शनी एवं कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में आयोजित किया जाएगा।

सड़क दुर्घटना में मां बेटी की मौत

कोटा। राजस्थान के झालावाड़ जिले में दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में 27 वर्षीय महिला और उसकी तीन साल की बेटी की मौत हो गई, जबकि उनके परिवार के दो अन्य सदस्य घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कोटा जिले के बकानी थाने के सहायक उपनिरीक्षक सुजान सिंह के अनुसार, दुर्घटना बृहस्पतिवार की शाम करीब 6:30 बजे भालता रोड पर हुई। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान बारां जिले की टीना और उसकी बेटी चेतना के रूप में हुई है। टीना के पिता राजेश और उसकी मां दुर्घटना में घायल हो गए, जबकि उसकी पांच वर्षीय बेटी सुरक्षित बच गयी ।

उन्होंने बताया कि वे पांचों एक शादी समारोह में जा रहे थे, तभी राजेश ने चारे से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को ओवरटेक करने की कोशिश की। सिंह ने बताया कि ऐसा करते समय उनकी मोटरसाइकिल विपरीत दिशा से आ रही एक अन्य मोटरसाइकिल से टकरा गयी ।

गाय के महत्व को समझे किसान : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सवाई माधोपुर। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने गाय को बचाने के लिए पॉलीथिन का इस्तेमाल बंद करने का आह्वान करते हुए कहा भरोसा दिलाया है कि गोचर भूमि पर किए गए अतिक्रमण शिकायत मिलने पर हटा दिया जायेगा। दिलावर शुक्रवार को सवाईमाधोपुर जिले के बोली कस्बे के दौरे के दौरान मित्रपुरा गांव में उनके स्वागत समारोह में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि गाय को बचाना है तो पॉलीथिन का इस्तेमाल बंद करो। और गांव में गोचर भूमि पर कब्जा मत करो गायों और पशुओं के लिए छोड़ी गई जमीन को पशुओं के लिए ही रहने दो। उन्होंने ग्रामवासियों को भरोसा दिलाया कि गोचर भूमि पर अतिक्रमण हटाने के लिए सब लोग मिलकर शिकायत देंगे तो वह पुलिस भेज कर अतिक्रमण हटवा देंगे।

दिलावर के जयपुर से बोली पहुंचने पर रास्ते में जगह जगह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने उनका जोरदार स्वागत किया। मित्रपुरा गांव में आयोजित स्वागत समारोह में ग्रामीणों ने उन्हें साफा और पुष्पहार पहना कर स्वागत किया। दिलावर ने कहा कि हम किसान है। गौ माता का महत्व हम से ज्यादा कौन जनता है। फिर भी हम पॉलिथीन का उपयोग करते है और गौ माता की मौत का कारण बनते है। गाय को बचाना है तो पॉलिथीन का इस्तेमाल बंद करो। गांव में गोचर भूमि पर कब्जा मत करो। गायों और पशुओं के लिए छोड़ी गई जमीन को पशुओं के लिए ही रहने दो।

दिलावर ने बच्चों को बताएं पॉलिथीन के नुकसान

राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को सवाईमाधोपुर जिले के बोली पंचायत समिति के उद गांव में महात्मा गांधी उच्च माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया और बच्चों को पॉलिथीन के नुकसान बताये। दिलावर ने इस अवसर पर बच्चों की क्लास ली और उनसे सवाल जवाब भी किए। उन्होंने एक बालिका से सवाल पूछा कि सब्जी किस में लेकर आते हो। इस पर बच्ची ने जवाब दिया कि सर सब्जी पॉलिथीन में लेकर आते है। इस पर दिलावर ने कहा यह गलत है। पॉलिथीन में सब्जी नहीं लानी चाहिए। दूसरी बच्ची ने पॉलिथीन के नुकसान बताते हुए कहा कि पॉलीथिन से कचरा फैलता है और पॉलीथिन को जलाते है तो धुंआ फैलता है और पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। इस पर मंत्री दिलावर ने बच्चों को शाबाशी देते हुए कहा कि आप सब को तो पॉलीथिन के नुकसान की पूरी जानकारी है। फिर भी आप लोग पॉलिथीन का इस्तेमाल करते हो,यह तो गलत बात है। इस पर बच्चों ने मंत्री से वादा करते हुए कहा कि अब आगे से वे पॉलीथिन का उपयोग नहीं करेंगे।

दिलावर ने सभी बच्चों को प्रेरित किया कि आगे से पॉलिथीन का उपयोग मत करना और अपने परिवार वाले और परिचितों को भी पॉलीथिन का प्रयोग मत करने देना। कोई दुकानदार खरीदारी करते समय समान पॉलीथिन में दे तो उस दुकान से समान खरीदने से मना कर देना ताकि आगे से वो दुकानदार पॉलीथिन में सामान नहीं देगा।

दीयाकुमारी ने जयपुर में आंगनबाड़ी केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने शुक्रवार को जयपुर के रामनगरिया स्थित नन्दघर आंगनबाड़ी एवं मालवीय नगर की वाल्मिकी बस्ती स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया।

इस दौरान महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी, निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं ओ पी बुनकर भी मौजूद थे। श्रीमती दिया कुमारी ने रामनगरिया स्थित नन्दघर आंगनबाड़ी केन्द्र के निरीक्षण के दौरान आधुनिक सुविधाएं, स्मार्ट टीवी, सुसज्ज्ति कक्ष, आधुनिक फर्निचर, पानी की मशीन, बिजली पानी के कनेक्शन सहित सुचारू व्यवस्था, शौचालय की सुविधा, खेल मैदान, पोषण वाटिका, बच्चों की प्री स्कूल जैसी ईसीसीई गतिविधियां, बच्चों के ग्रोथ मोनिटरिंग उपकरण आदि को देखकर संतोष जताया।

उन्होंने मालवीय नगर की वाल्मिकी बस्ती में स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र का औचक निरीक्षण किया तथा यहां नन्दघर आंगनबाड़ी केन्द्र की जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने वाल्मिकी बस्ती में स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र सहित राज्य के अन्य आंगनबाड़ी केन्द्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर विकसित करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने महिलाओं और बच्चों के फीडबैक के आधार पर पोषाहार और टीएचआर के स्वाद में सुधार करने के लिए निर्देश दिए।

दीया कुमारी ने आंगनबाड़ी में बच्चों से बातचीत की और दुलार किया। उपमुख्यमंत्री को बच्चों ने कविताएं और गिनती सुनाई ने जिस पर उन्होंने बच्चों को शाबासी देकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बच्चों से उनकों मिलने वाले पोषाहार के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने बच्चों की खेल-कूद में सीखने की प्रक्रिया में शामिल होकर उनके साथ पूर्ण आत्मियता से संवाद किया और हौसला अफजाई की।

उपमुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी के रसोईघर का अवलोकन किया और रर्साईघर में आवश्यक सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिये। उन्होंने शौचालय का भी निरीक्षण कर उसके संचालन की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र से सटी पोषण वाटिका का भी अवलोकन किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों से आंगनबाड़ी पर लगी हाथ धोने वाली पानी की मशीन का उपयोग करने की जानकारी ली। पोषाहार ग्रहण करने से पहले उन्होंने स्वयं बच्चों के हाथ धुलवाये। साथ ही बच्चों को हाथ धोने का महत्व बताते हुए पानी बचाने की सीख भी दी।

श्रीमती दीया कुमारी ने आंगनबाड़ी केन्द्र पर उपस्थित गर्भवति और धात्री महिलाओं से बातचीत की और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित आंगनबाड़ी केन्द्र पर मिलने वाली सुविधाओं के बारे में फीडबैक लिया।

महिलाओं ने उपमुख्यमंत्री के साथ फोटो खिंचवायें और सेल्फी भी ली। उपमुख्यमंत्री ने की आंगनबाड़ी केन्द्र में संचालित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती माया से जानकारी ली और उनके द्वारा पोषण ट्रेकर का सजीव संचालन का भी देखा।

उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र पर बच्चों और गर्भवती तथा धात्री महिलाओं के लिए संचालित सभी तरह की योजनाओं और सुविधाओं की विस्तार से जानकारी लेकर संतोष जताया। साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती माया की प्रशंसा कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा उनके अच्छे काम के लिए उन्हें सम्मानित करने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए।

राज्यपाल ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर शहीदों को श्रद्धा-सुमन अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस (7 दिसम्बर) के अवसर पर राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व होम करने वाले शहीदों का स्मरण करते हुए श्रद्धा-सुमन अर्पित किए है। सशस्त्र झंडा दिवस के संदर्भ में राज्य सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर वीरेंद्र सिंह राठौड़ ने राजभवन पहुंच कर प्रतीक रूप में उनके तिरंगे झंडे का स्टीकर लगाया। राज्यपाल ने इस दौरान पूर्व सैनिकों के लिए अपनी ओर से सहयोग राशि भी प्रदान की।

राज्यपाल ने कहा कि सशस्त्र सेना झण्डा दिवस शहीदो एवं उनके परिजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन अवसर हैं। उन्होंने इस अवसर पर सैनिको और शहीदों के परिजनों के कल्याण के लिए सभी से सामर्थ्य अनुसार उदारता पूर्वक सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने सहस्त्र सेना झण्डा दिवस पर देश के सभी जवानों, पूर्व सैनिकों, उनके परिजनों और समस्त देश-प्रदेशवासियों को बधाई भी दी है।

शेखावाटी इलाके में अगले हफ्ते शीतलहर चलने की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में अगले हफ्ते सर्दी जोर पकड़ सकती है और इस दौरान राज्य के उत्तरी भागों 'शेखावाटी इलाके' में कहीं-कहीं शीतलहर चलने का अनुमान है। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार आगामी सप्ताह के दौरान राज्य के अधिकांश भागों में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है। साथ ही 10-12 दिसंबर को शेखावाटी इलाके में न्यूनतम तापमान तीन से छह डिग्री सेल्सियस के बीच रहने और कहीं-कहीं शीतलहर चलने की संभावना है।

हालांकि राज्य में कहीं भी घना कोहरा छाने की अभी कोई संभावना नहीं है। वहीं बीते चौबीस घंटे में राज्य में मौसम कुल मिलाकर शुष्क रहा। बीती रात सबसे कम तापमान संगरिया (हनमानगढ़) में 6.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

उदयपुर के एकलिंगजी मंदिर में मोबाइल और छोटे कपड़े पहनकर जाने पर प्रतिबंध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर । धार्मिक स्थल की पवित्रता बनाए रखने के लिए उदयपुर के एकलिंगजी मंदिर में मोबाइल फोन और छोटे कपड़े पहनकर प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। नए दिशानिर्देशों के तहत मंदिर ने मिनी स्कर्ट, बरमूडा और नाइट सूट जैसे छोटे कपड़े पहनकर आने वाले भक्तों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। मंदिर प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि ड्रेस कोड का उद्देश्य मंदिर की पवित्रता को बनाए रखना और उसकी पवित्रता का सम्मान करना है। शुक्रवार को मंदिर परिसर में नए दिशा-निर्देशों का उल्लेख करते हुए एक बैनर लगाया गया।

कपड़ों पर प्रतिबंध के अलावा मंदिर परिसर के अंदर मोबाइल फोन ले जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। इससे पहले आगंतुकों को स्विच-ऑफ मोड में फोन लाने की अनुमति थी, हालांकि मंदिर के अंदर

फोटोग्राफी हमेशा प्रतिबंधित थी। प्रबंधन ने यह भी दोहराया है कि मंदिर में पालतू जानवर और हथियार ले जाना प्रतिबंधित है। मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं से मंदिर की पवित्रता बनाए रखने के लिए इन नए नियमों का सम्मान करने का आग्रह किया है।

मंदिर प्रबंधन ने कहा कि कई आगंतुकों ने मंदिर में अनुचित पोशाक को लेकर असहजता व्यक्त की थी, जिसके कारण ये परिवर्तन किए गए। उदयपुर से लगभग 22 किलोमीटर दूर कैलाशपुरी गांव में स्थित एकलिंगजी मंदिर भगवान शिव को समर्पित है, जिन्हें मेवाड़ के देवता के रूप में पूजा जाता है। इसे बप्पा रावल ने 734-753 ई. के बीच स्थापित किया था और महाराणा मोकल (1421-1433 ई.) ने इसका जीर्णोद्धार कराया था। वर्तमान मूर्ति महाराणा रायमल (1473-1509 ई.) द्वारा स्थापित की गई थी। सफेद संगमरमर से निर्मित इस मंदिर परिसर में 108 छोटे मंदिर हैं। गर्भगृह में भगवान एकलिंगजी की चार मुख वाली काले संगमरमर की मूर्ति और बाहर नंदी की चांदी की मूर्ति है। राजस्थान के अन्य मंदिरों ने भी अनुशासन और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए ड्रेस कोड लागू किया है। उदयपुर के जगदीश मंदिर में पिछले साल टी-शर्ट, बरमूडा और नाइट सूट पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, हालांकि इस निर्णय से विवाद उत्पन्न हो गया था, जिसके कारण बैनर हटा दिए गए थे। जयपुर के झारखंड महादेव मंदिर में भी हाफ पैंट, बरमूडा, मिनी स्कर्ट, नाइट सूट और फटी जींस पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। वहीं भीलवाड़ा के कोटड़ी चारभुजानाथ मंदिर में भी पहले ड्रेस कोड लागू किया गया था।

सैनिक कल्याण में दें योगदान : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस (7 दिसम्बर) के अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सशस्त्र सेना झण्डा दिवस उन जांबाज सैनिकों के प्रति एकजुटता दिखाने का दिन है, जिन्होंने देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। युद्ध में विकलांग व शहीद हुए सैनिकों तथा देश की रक्षा के लिए सीमाओं पर तैनात वीर जवानों के प्रति कृतज्ञता और सराहना प्रकट करने का यह अनूठा अवसर है। शर्मा ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर वीरेन्द्र सिंह राठौड़ से प्रतीकात्मक झण्डा (बैज) ग्रहण किया। मुख्यमंत्री ने सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए ऑनलाइन अंशदान भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सैनिकों के समर्पण, बलिदान और देश सेवा का मूल्य चुका पाना असंभव है किन्तु उनके कल्याण की कामना से अंशदान देकर साधुवाद प्रकट करना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वीर सैनिकों के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए उनके कल्याण के लिए सभी खुले हाथ से अपना योगदान देने का संकल्प लें।

गृह रक्षा संगठन का 62वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गृह रक्षा संगठन के 62वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र, जयपुर में स्थापना दिवस समारोह हर्षोल्लास से मनाया गया। इस समारोह में गृह रक्षा के अधिकारी, कर्मचारी और करीब 300 होमगार्ड्स शामिल हुए होमगार्ड ट्रेनिंग सेंटर की कमाण्डेन्ट श्रीमती सुमन ढाका ने विभागीय ध्वजारोहण किया। इसके बाद कमाण्डेन्ट द्वारा परेड का निरिक्षण किया गया जिसमें होमगार्ड के अधिकारियों एवं जवानों ने अपनी सामर्थ्य एवं अनुशासन का प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह संगठन अपने आदर्श वाक्य निष्काम सेवा के अनुरूप राज्य और राष्ट्र की सुरक्षा एवं सेवा का संकल्प लेता है।

गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र जयपुर में पदस्थापित देशराज, प्लाटून कमाण्डर एवं होमगार्ड मो. अफजल एवं स्व. उम्मेद सिंह को वर्ष 2023 एवं होमगार्ड लक्ष्मण सिंह,जगदीश प्रसाद चौधरी व रघु विश्वकर्मा को वर्ष 2024 के लिए महानिदेशक गृह रक्षा राजस्थान द्वारा महानिदेशक प्रशस्ति डिस्क एवं पत्र प्रदान किये गये।

साथ ही महानिदेशक अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा एवं गृह रक्षा, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भी इस केन्द्र के चन्द्रशेखर, कम्पनी कमाण्डर, सत्यनारायण सिंह, प्लाटून कमाण्डर, मुकेश कुमार कुमावत, सीनियर असिस्टेंट एवं विजेन्द्र शर्मा, ऑनरेरी हेड कॉन्सटेबल को प्रशस्ती पत्रएवं कांस्य पदक से सम्मानित किया गया।

भारत में महिलाओं के लिए माहौल दूसरे देशों की तुलना में अधिक सुरक्षित : देवनानी

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को कहा कि भारत में महिलाओं के लिए माहौल अन्य देशों की तुलना में कहीं अधिक सुरक्षित है। देवनानी ने इस संदर्भ में महिलाओं के सशक्तीकरण के उद्देश्य से चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं का हवाला दिया। उल्लेखनीय है कि देवनानी ने ऑस्ट्रेलिया में हाल ही में आयोजित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के 67वें सम्मेलन में राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के दौरान केंद्र और राजस्थान सरकार के प्रयासों की सराहना की गई। इसमें 53 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसके बाद देवनानी ने इंडोनेशिया, सिंगापुर और जापान की 'अध्ययन यात्रा' की।

देवनानी ने कहा कि सीपीए सम्मेलन में लिंग आधारित हिंसा पर हुई चर्चा के दौरान उन्होंने पाया कि भारत और राजस्थान में महिलाओं के लिए माहौल अन्य देशों की तुलना में अधिक सुरक्षित है। उन्होंने कहा, मेरे अनुभव में, भारत और राजस्थान में महिलाओं के लिए माहौल अन्य देशों की तुलना में अधिक सुरक्षित है। विशेष रूप से समानता के संदर्भ में यहां महिलाओं की स्थिति अन्य देशों की तुलना में कहीं बेहतर है।

देवनानी ने कहा, किसी अन्य देश में भारत जैसी योजनाएं और कार्यक्रम नहीं हैं। सीपीए सम्मेलन में मैंने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ', 'पीएम मातृ वंदना योजना' जैसी योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला, जिसकी प्रतिनिधियों ने सराहना की। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत में महिलाओं को जिस तरह के अधिकार दिए गए हैं, वे कई देशों में नहीं हैं।

उन्होंने कहा, हम राजस्थान में बदलाव के लिए पहले से ही काम कर रहे हैं और विधानसभा 'पेपरलेस' होने जा रही है। देवनानी ने कहा कि जहां तक कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) का सवाल है, इसके साथ डेटा सुरक्षा जैसी कई चुनौतियां जुड़ी हैं। इसलिए एआई को डेटा विश्लेषण और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में सावधानीपूर्वक एकीकृत किया जाना चाहिए।

देवनानी ने हिंदू मंदिरों और धार्मिक परंपराओं के संरक्षण के लिए इंडोनेशिया, तकनीकी प्रगति के लिए जापान और पर्यटन पहलों के लिए सिंगापुर की सराहना करते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में इन देशों से बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

अम्बेडकर जिन्होंने बसवन्ना, बुद्ध के बाद समानता के लिए लड़ाई लड़ी : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि बसवन्ना और बुद्ध के बाद बाबा साहेब अंबेडकर ही थे जिन्होंने देश में समानता के लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने शुक्रवार को विधान सौधा के सामने समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित भारत रत्न महान मानवतावादी बाबा साहब डॉ. बीआर अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उसके बाद मीडिया से बात की।

सरकार ने बाबा साहब अंबेडकर की पुण्य तिथि पर पुष्प अर्पित कर उन्हें सम्मान देने का काम किया है। 6 दिसंबर 1956 को बाबा साहब अंबेडकर हम सबको छोड़कर चले गए। उन्होंने कहा कि उस दिन को ही परिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है।

सिद्दरामय्या ने कहा कि उन्होंने अपना जीवन सामाजिक संघर्ष और समाज परिवर्तन के लिए समर्पित कर दिया। अम्बेडकर ने एक संविधान दिया जो इस देश और हमारे सामाजिक जीवन के लिए आवश्यक है।

हमारा संविधान विश्व में सर्वश्रेष्ठ लिखित संविधान के रूप में जाना जाता है। यदि आप संविधान की महानता को जानना चाहते हैं, तो आपको इसका आनंद अच्छे लोगों के हाथों में लेना होगा। अम्बेडकर ने इस देश के लोगों को स्पष्ट चेतावनी दी थी कि यदि यह देश बुरे लोगों के हाथ में गया तो बुरा होगा।

उन्होंने केवल दलितों के लिए ही नहीं बल्कि सभी के लिए सामाजिक अवसर प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने उन सभी लोगों के लिए काम किया जो अवसरों से वंचित थे, शोषित थे, अन्याय, अपमान और उत्पीड़न के शिकार थे। वे समाज में समानता चाहते थे और इसे बनाने की बात उन्होंने स्पष्ट रूप से कही थी। संविधान के उद्देश्य भी यही कहते हैं। संविधान के लाभार्थियों को अपने साथी जातियों की मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर कोई संविधान को समझना चाहता है। बहुत से लोग संविधान का विरोध करते हैं। भारत एक बहुसांस्कृतिक, बहुलवादी देश है। यहां कई जातियां और धर्म हैं. भाषाएँ भी बहुत हैं। यह अम्बेडकर ही थे जिन्होंने इसके योग्य संविधान दिया। सभी धर्म और प्रथाएँ समान हैं। उन्होंने मानव धर्म पर बल दिया। मूलतः हम सभी मनुष्य हैं। इंसान को एक-दूसरे से प्यार करना चाहिए न कि एक-दूसरे से नफरत। अम्बेडकर ने अपने जीवन में यही उपदेश दिया।

शिवकुमार स्वामीजी की प्रतिमा खंडित किए जाने की चौतरफा हुई निंदा

बेंगलूरु। बेंगलूरु में गुरुवार देर रात एक व्यक्ति ने लिंगायत समुदाय के संत शिवकुमार स्वामीजी की प्रतिमा को खंडित कर दिया। घटना दीपांजलि नगर वार्ड में वीरभद्रनगर बस स्टैंड के पास हुई थी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, आरोपी ने कथित तौर पर दावा किया है कि उसके सपने में ईसा मसीह आए थे, जिसके बाद उसने ऐसा कृत्य किया। घटना से लोगों में गहरा आक्रोश है। उन्होंने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। वहीं, पुलिस ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि मामले में उचित कार्रवाई होगी।

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने घटना की निंदा की है। उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, 'श्रद्धेय शिवकुमार महास्वामीजी की प्रतिमा का एक शरारती व्यक्ति द्वारा अपमान किया जाना अक्षम्य अपराध है। उपद्रवी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने के अलावा, इस कृत्य के पीछे निहित स्वार्थी तत्त्वों की संलिप्तता की भी गहन जांच की जानी चाहिए।' उन्होंने कहा, 'मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि वह सभी एहतियाती कदम उठाए, ताकि भविष्य में इस तरह के जघन्य कृत्य न हों।' बेंगलूरु के आर्कबिशप डॉ. पीटर मचाडो ने उक्त घटना की निंदा करते हुए लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने प्रतिमा को नुकसान पहुंचाए जाने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे ऐसा कृत्य बताया, जिसका हमारे समाज में कोई स्थान नहीं है।

मुलाकात

बेंगलूरु में 16वें जनजातीय युवा विनिमय कार्यक्रम के भाग के रूप में शुक्रवार को राजभवन में अपने दौरे के दौरान जनजातीय युवा विनिमय कार्यक्रम के प्रतिभागियों ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की।

प्रसव के दौरान एक और महिला की मौत, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा 'इस्तीफा देने के लिए तैयार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/बेल्लारी। कर्नाटक के बेल्लारी मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर (बीएमसीआरसी) में प्रसव के दौरान एक और महिला की मौत होने के बाद पिछले महीने से अब तक इस तरह से होने वाली मौतों की कुल संख्या पांच हो गई है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को आश्वासन दिया कि पांच दिसंबर की रात में हुई मौत की जांच की जाएगी।

वहीं स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि अगर उनके इस्तीफा देने से स्थिति में सुधार होता है तो वह 'इस्तीफा' देने को तैयार हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 23 वर्षीय कोलमी सुमैया को प्रसव पीड़ा होने पर 11 नवंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उनका ऑपरेशन किया गया था।

स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि बाद में सुमैया को अन्य प्रकार की जटिलताएं हुईं, जिसके कारण गुर्दों ने काम करना बंद कर दिया। एक अधिकारी ने बताया, सी-सेक्शन (ऑपरेशन) के बाद जटिलताएं हुईं, जिसके कारण उसे डायलिसिस पर रखना पड़ा और बृहस्पतिवार को उसकी मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि प्रसव के सात जटिल मामले थे, जिनमें से दो मरीजों को छुट्टी दे दी गई जबकि इस मामले सहित हाल ही में पांच महिलाओं की पिछले महीने मौत हुई हैं। उन्होंने बताया कि इन मामलों में सभी नवजात स्वस्थ थे।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी एक नोट के अनुसार, पांच दिसंबर को उपचार के बावजूद रोगी को रात पौने आठ बजे दिल का दौरा पड़ा। नोट के मुताबिक, मरीज को कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) दिया गया लेकिन सभी प्रयासों के बावजूद उसने रात आठ बजकर 10 मिनट पर दम तोड़ दिया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, नौ से 11 नवंबर के बीच बेल्लारी के जिला अस्पताल में प्रसव के दौरान चार महिलाओं की मौत की सूचना मिली थी।

सिद्दरामय्या ने आश्वासन दिया कि मामले की जांच की जाएगी। उन्होंने बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा, हम मौत के कारण का पता लगाएंगे। कई जगहों पर प्रसव के दौरान महिलाओं की मौत हुई है। सिद्दरामय्या को जब पांचवीं मौत के बारे में बताया गया तो उन्होंने घटना की जानकारी होने की बात कही। उन्होंने कहा, मैंने एक बैठक की है और औषधि नियंत्रण विभाग के अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। हम इस मामले की भी जांच करेंगे ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह किस कारण से हुआ।

मंत्री राव ने बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा, अगर मेरे इस्तीफा देने से चीजें ठीक हो सकती हैं तो मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। यह प्रतिष्ठा या सत्ता का सवाल नहीं बल्कि लोगों के जीवन का सवाल है। हमने बेल्लारी में प्रसव के दौरान महिला की मृत्यु को बहुत गंभीरता से लिया है और हालात में सुधार लाने के लिए कानूनी कदम उठाने के साथ ही अन्य उपाय किए गए हैं। राव ने कहा कि उन्हें मामले की जांच से कोई आपत्ति नहीं है।

उन्होंने कहा, जांच होनी चाहिए और जो भी जिम्मेदार पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। हम व्यवस्था में सुधार के लिए सभी आवश्यक प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं इसमें विपक्ष का भी समर्थन चाहता हूं।

अगर मेरे इस्तीफा देने से चीजें ठीक हो सकती हैं तो मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। यह प्रतिष्ठा या सत्ता का सवाल नहीं बल्कि लोगों के जीवन का सवाल है। हमने बेल्लारी में प्रसव के दौरान महिला की मृत्यु को बहुत गंभीरता से लिया है और हालात में सुधार लाने के लिए कानूनी कदम उठाने के साथ ही अन्य उपाय किए गए हैं।

वोक्कालिगा स्वामीजी के खिलाफ कार्रवाई, मुस्लिम नेता के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं? :आर. अशोक

बेंगलूरु गड्ढों का शहर बना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने सवाल किया कि कांग्रेस सरकार, जो वोक्कालिगा स्वामीजी के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, उस मुस्लिम नेता के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है जिसने अदालत

को कीमत नहीं चुकाई। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि विश्व वोक्कालिगारा महासंस्थान मठ के अध्यक्ष श्रीकुमार चन्द्रशेखरनाथ स्वामीजी ने वक्फ भूमि अधिग्रहण के खिलाफ दर्दभरी बात कही है, जिस पर कांग्रेस सरकार ने तत्काल कार्रवाई की है। वहीं मुस्लिम लीग के मौलाना अबू ने कहा कि वह संसद और न्यायालय को अस्वीकार करेंगे, लेकिन सरकार ने कार्रवाई नहीं की। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि उन्हें बंधुओं से प्यार है और वह उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। अशोक ने कहा कि मैं सदैव अपने स्वामीजी के साथ खड़ा रहूंगा। लेकिन उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार को पहले मुसलमानों की जरूरत है और फिर वोक्कालिगा की। उन्होंने कहा कि डॉ. जी परमेश्वर को इस बात का गर्व है कि उन्होंने मुख्यमंत्री पद की बात की। अशोक ने कांग्रेस पर वार करते हुए कहा कि जिस व्यक्ति ने चलते फिरते भगवान श्री शिवकुमार स्वामीजी की मूर्ति को खंडित किया, उसे कांग्रेस का भाई भी कहा जा सकता है। अगर ऐसा है तो हिंदुओं की कहानी क्या होगी? अगर मुस्लिम नेता कहेंगे कि उन्हें कोर्ट पर भरोसा नहीं है तो कांग्रेसी बाबा साहब अंबेडकर के संविधान की किताब हाथ में ले लेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गयी है।

विपक्ष के नेता आर अशोक ने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के ब्रॉड बेंगलूरु को भी आड़े हाथ लेते हुए कहा कि आज राजधानी बेंगलूरु गड्ढों का शहर बन गया है। शहर की कोई भी सड़क ऐसी नहीं है, जिसमें एक भी गड्ढा न हो। बीबीएमपी आयुक्त का कहना है कि लाखों गड्ढे हैं और उन्होंने उन्हें बंद कर दिया है। कांग्रेस बताए कि ब्रांड बेंगलूरु योजना के तहत बीबीएमपी को कितना अनुदान दिया गया है। इसके अलावा उनका कहना है, ''हमारा टैक्स हमारा अधिकार है.'' तो बेंगलूरु टैक्स पर किसका अधिकार है?

बेंगलूरु में दूसरी पत्नी की हत्या कर बिहार भागा; कुछ ही दिन में कर ली तीसरी शादी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के बाहरी इलाके में एक नाले में एक महिला का सड़ा-गला शव मिलने के कुछ दिनों बाद पुलिस ने उसकी हत्या के आरोप में उसके पति को बिहार से गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पेशे से पेंटर का काम करने वाले आरोपी मोहम्मद नसीम(39) को मुजफ्फरपुर से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि यह घटना 11 नवंबर को सरजापुर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई।

पुलिस के अनुसार, नसीम और उसकी दूसरी पत्नी रुमेश खातून (22) अक्सर छोटी-छोटी बातों पर एक-दूसरे से झगड़ते रहते थे तथा उनके बीच तनावपूर्ण संबंध थे। उसे अपनी पत्नी पर शक था और कुछ निजी मुद्दों के कारण उसने अपनी पत्नी से छुटकारा पाने का फैसला किया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रुमेश की गला घोंटकर हत्या करने के बाद नसीम ने उसके हाथ-पैर तार से बांध दिए और शव को नाले में फेंक दिया।अधिकारी ने बताया कि पत्नी की हत्या करने के बाद वह अपने छह बच्चों के साथ अपने मूल स्थान बिहार के मुजफ्फरपुर भाग गया। पुलिस के अनुसार, यह घटना एक सप्ताह बाद उस समय प्रकाश में आई जब स्थानीय लोगों ने इलाके में नाले से दुर्गंध आने पर पुलिस को सूचित किया। बाद में महिला का सड़ा-गला शव बरामद किया गया और शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया।

अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान शव की पहचान होने के बाद सामने आया कि मृतक महिला का पति लापता है और वह अपने छह बच्चों के साथ भाग गया है। नसीम की पहली शादी से उसके चार बच्चे और खातून के साथ उसकी दूसरी शादी से दो बच्चे हैं। उन्होंने बताया कि तकनीकी साक्ष्य और मोबाइल फोन लोकेशन' का उपयोग करते हुए जांचकर्ताओं ने आरोपी को मुजफ्फरपुर में पाया। वहां पहुंचने के कुछ ही दिनों बाद और पुलिस द्वारा पकड़े जाने से पहले आरोपी ने तीसरी शादी कर ली।

उन्होंने बताया, आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और हत्या के सिलसिले में उसे पिछले सप्ताह मुजफ्फरपुर से गिरफ्तार किया गया।

शुक्रवार को बेंगलूरु में मध्य प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कर्नाटक राजभवन में राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की।

इसरो दिसंबर के अंत तक 'अंतरिक्ष डॉकिंग मिशन' के लिए तैयार : सोमनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/श्रीहरिकोटा। इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने बृहस्पतिवार को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन अपने विश्वसनीय ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान पर 'स्पैडेक्स' नामक 'स्पेस डॉकिंग' प्रयोग के प्रदर्शन के लिए एक मिशन की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि रॉकेट तैयार हो रहा है और बेंगलूरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी के वैज्ञानिक इस महीने के अंत में इसके प्रक्षेपण की उम्मीद कर रहे हैं।

अंतरिक्ष विभाग के सचिव सोमनाथ ने दिन में पीएसएलवी-सी59/प्रोबास-3' मिशन के सफल प्रक्षेपण के लिए न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल), यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के अधिकारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस मिशन (पीएसएलवी-सी59-प्रोबास-3 मिशन) के समान ही दिसंबर में पीएसएलवी-सी60 का प्रक्षेपण होने वाला है।

उन्होंने कहा, यह (पीएसएलवी-सी60 मिशन) 'स्पेस डॉकिंग' प्रयोग का प्रदर्शन करेगा, जिसे स्पैडेक्स' नाम दिया गया है। रॉकेट अभी तैयार किया जा रहा है और हम प्रक्षेपण से संबंधित अंतिम चरण की गतिविधियों की तैयारी कर रहे हैं, जो संभवतः दिसंबर में ही पूरी हो सकती हैं।

'स्पेस डॉकिंग' तकनीक का तात्पर्य अंतरिक्ष में दो अंतरिक्ष यानों को जोड़ने की तकनीक से है। यह एक ऐसी तकनीक है जिसकी सहायता से मानव को एक अंतरिक्ष यान से दूसरे अंतरिक्ष यान में भेज पाना संभव होता है। अतः स्पेस डॉकिंग अंतरिक्ष स्टेशन के संचालन के लिये अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। डॉकिंग में अंतरिक्ष यान अपने आप ही स्टेशन से जुड़ सकता है। अंतरिक्ष में दो अलग-अलग चीजों को जोड़ने की यह तकनीक ही भारत को अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने में और चंद्रयान-4 परियोजना में मदद करेगी।

'प्रोबा-3 मिशन' के बारे में उन्होंने कहा कि बृहस्पतिवार का मिशन हीलियोफिजिक्स (सूर्य और उसके ग्रहों का अध्ययन) के बारे में है और भारत में वैज्ञानिकों का एक मजबूत समूह' है, जो यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर काम कर रहा है। एक समर्पित वाणिज्यिक मिशन के तहत इसरो के पीएसएलवी ने बृहस्पतिवार को ईएसए के दो उपग्रहों को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया।

सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत

विजयपुरा (कर्नाटक)। एक कार और एक अन्य वाहन के बीच शुक्रवार को हुई टक्कर में दो महिलाओं सहित पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह दुर्घटना तालीकोट पुलिस थाने के अंतर्गत शाम चार बजे के आसपास हुई।

अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना के बाद दाल बोने वाले वाहन का चालक वाहन को मौके पर ही छोड़कर भाग गया। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी चालक का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि कार में सवार सभी पांचों मृतक विजयपुरा के अलियाबाद गांव के निवासी थे, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए बागेवाड़ी सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है।

एनआईटीटी ने पांच दिवसीय उन्नत प्रबंधन विकास कार्यक्रम का हुआ समापन

चेन्नई। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुचिरापल्ली के प्रबंधन अध्ययन विभाग ने सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, 'द पावर ऑफ शी : वूमन्स जर्नी टू बिजनेस लीडरशिप' पर 5 दिवसीय उन्नत प्रबंधन विकास कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का समन्वय संकाय टीम डॉ. पी. श्रीदेवी, डॉ. बी. सेंथिल अरासु, डॉ. निवेथिथा एस और डॉ. वी. लावण्या के द्वारा किया गया। 2 से 6 दिसंबर तक आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य अवसरों का लाभ उठाने और व्यावसायिक संचालन में चुनौतियों से निपटने के बारे में जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम तमिलनाडु, केरल और तेलंगाना के 33 प्रतिभागियों के साथ आयोजित किया गया था। प्रतिभागी 21 से 50 वर्ष की आयु वर्ग की महिला उद्यमी हैं जो अपने व्यवसाय को बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं। उद्घाटन समारोह एनआईटी तिरुचिरापल्ली के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट विभाग में हुआ, जहां प्रो. डॉ. सेंथिल अरासु ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। एनआईटी तिरुचिरापल्ली में एमएसएमई कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. एस. सुधा ने पांच दिवसीय कार्यक्रम के महत्व पर जोर दिया। एनआईटी तिरुचिरापल्ली के निदेशक डॉ. जी. अधिला ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और आज के कारोबारी परिदृश्य में महिलाओं की भूमिका के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही, उन्होंने तकनीक का उपयोग करके व्यवसाय का नेतृत्व करने के महत्व पर बल दिया। कार्यशाला में स्टार्ट-अप के लिए जोहो की ग्लोबल हेड सुश्री कुप्पुलक्ष्मी कृष्णमूर्ति भी शामिल हुईं एनआईटी तिरुचिरापल्ली के डीन-रिसर्च एंड कंसल्टेंसी डॉ. वी. शंकरनारायणन ने व्यावसायिक क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा करने के लिए महिलाओं के बीच कौशल वृद्धि की अत्यधिक आवश्यकता पर जोर दिया।

पैलेस ग्राउंड पर दो दिवसीय 'मखाना महोत्सव' का हुआ शुभारंभ

बिहार के उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री ने किया उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पैलेस ग्राउंड में बिहार सरकार के बागवानी विकास सोसायटी के तत्वावधान में इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के सहयोग से दो दिवसीय 'मखाना महोत्सव' का शुभारंभ हुआ। यह महोत्सव सुपर फूड मखाना (फॉक्सनट) व उसके विभिन्न खाद्य उत्पाद के प्रचार प्रसार के लिए आयोजित किया गया। मखाना अपने उच्च प्रोटीन, कम वसा और ग्लूटेन-मुक्त गुणों के लिए जाना जाता है।

शुक्रवार को बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने फीता काटकर व दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का शुभारंभ किया। इस मौके पर कृषि विभाग के सचिव संजय अग्रवाल, बागवानी विभाग के निदेशक अभिषेक कुमार और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे। इस मखाना उत्सव में मखाना व उसके अन्य उत्पादों के प्रदर्शन, बिक्री के लिए अनेक स्टॉल लगाए गए।

सुविचार

रूठे हुए को मनाना जिंदगी है, दुसरों को हंसाना जिंदगी है। कोई जीतकर खुश हुआ तो क्या हुआ, सब कुछ हारकर मुस्कुराना भी जिंदगी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

समाधान का हिस्सा बनें

इस साल सर्वाधिक इंटरनेट सर्च और चर्चित वीडियो सामग्री की सूची पर नजर डालें तो पता चलता है कि लोगों की दिलचस्पी सेलिब्रिटीज की भव्य शादियों, उनसे जुड़ीं बातों, गेमिंग और अजब-गजब चीजों में खूब रही। एक तरफ हम चाहते हैं कि समाज में क्रांति आए, सकारात्मक बदलाव आए, दूसरी तरफ हमारी दिलचस्पी ऐसी सामग्री देखने में काफी ज्यादा है, जो आम लोगों के हालात में बेहतरी लाने में एक प्रतिशत योगदान भी नहीं दे सकती। लोग सकारात्मक बदलाव तो चाहते हैं, लेकिन उसके लिए योगदान देते समय गायब हो जाते हैं। लोगों की ख्वाहिश होती है कि महात्मा गांधी, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह जैसे महापुरुषों के सपनों का भारत बने, लेकिन इंटरनेट सर्च और वीडियो सामग्री की सूची में ये नहीं हैं! यह हमारी सामूहिक विफलता है। हमें इसे स्वीकार करना चाहिए। जब तक हमारी कथनी और करनी एक नहीं होगी, सकारात्मक बदलाव कैसे आएगा? हमारे जीवन में ऐसी छोटी-छोटी बातें हैं, जिनमें थोड़ा-सा सुधार कर लें तो समग्र रूप में बहुत बड़ा सुधार हो सकता है। यहां सवाल पैदा होता है कि शुरुआत कौन करे? हर साल गौसेवा के नाम पर बड़े-बड़े आयोजन होते हैं। जरूर होने चाहिएं। उन आयोजनों में लोग गौसेवा, गौरक्षा का संकल्प लेते हैं। ये अत्यंत शुभ संकल्प हैं, जिन्हें लेने के बाद उनका दृढ़ता से पालन करना चाहिए। लेकिन करेंगे कैसे? कितने घरों में लोग गाय का दूध लेते हैं? प्राय: औषधियां लेते समय गाय के दूध को प्राथमिकता दी जाती है। जैसे ही स्वास्थ्य अच्छा हुआ, लोग उससे मुंह मोड़ लेते हैं। गांव हो या शहर, लोग यह तर्क देकर गाय का दूध सस्ता लेना चाहते हैं कि इसमें घी कम आता है! अगर गौसेवा और गौरक्षा का संकल्प लेते हैं तो जरूरी नहीं कि ऐसा हर व्यक्ति गाय पाल ले। शहरों में जगह की कमी और रोजगार के सिलसिले में व्यस्तता के कारण हर व्यक्ति के लिए गौपालन संभव नहीं है, लेकिन वह इतना तो कर सकता है कि गाय का दूध दो रुपए ज्यादा देकर खरीद ले। इससे भी गौसेवा और गौरक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

हर साल किसानों की आर्थिक चुनौतियों का मुद्दा खूब चर्चा में रहता है। इसके लिए सरकारों की खूब आलोचना की जाती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि कई किसान सख्त आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उनके कल्याण के लिए सरकारें उतना काम नहीं कर पाईं, जितना करना चाहिए था। क्या किसानों का कल्याण करना सिर्फ सरकारों की जिम्मेदारी है? क्या जनता की कोई जिम्मेदारी नहीं है? अगर बाजारों में खरीदारी के तौर-तरीकों पर नजर डालें तो पाएंगे कि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक शीतल पेय खूब खरीदे जाते हैं। उन्हें लेते समय कोई मोलभाव भी नहीं करता। शराब की दुकानों पर खूब भीड़ उमड़ती है। वहां कोई मोलभाव नहीं करता। गुटखा, खैनी, सिगरेट जैसी नशीली चीजें धड़ल्ले से बिकती हैं। उनकी कीमतों का प्रति किलो के हिसाब से आकलन करें तो पता चलता है कि ये बहुत महंगी हैं। इसके बावजूद इनका चलन कम नहीं हो रहा है। ये महंगी होने के साथ अत्यंत हानिकारक हैं। लोग इन्हें खरीदते समय मोलभाव नहीं करते, अपनी जेब पर भारी पड़ने पर भी इन्हें नहीं छोड़ते हैं। वहीं, सब्जी मंडी में नींबू पड़े-पड़े सड़ जाते हैं। आंवले सूख जाते हैं। तरबूज फेंकने पड़ते हैं। गाजरों की दुर्दशा होने पर वे या तो आवारा पशुओं का आहार बनती हैं या कूड़ेदान में डाल दी जाती हैं। ये सभी चीजें स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं। इन्हें खरीदते समय लोग एक-एक चीज का बारीकी से निरीक्षण करते हैं। अगर इनकी कीमतों में एक रुपए की बढ़ोतरी हो जाए तो ये बहुत ज्यादा महंगी लगती हैं। फिर भी लोग चाहते हैं कि किसानों की हालत सुधरे! जब हम खुद समाधान का हिस्सा नहीं बनेंगे तो समस्या कैसे दूर होगी? अगर हम समस्या का समाधान चाहते हैं, स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों का भारत बनाना चाहते हैं तो समाधान का हिस्सा बनना होगा। कोरी ख्वाहिशों और नारों से सुधार नहीं होगा।

ट्वीटर टॉक

ग्राम रामनगरिया में स्थित नन्दघर का निरीक्षण कर विभाग की सभी सुविधाओं का जायज़ा लिया व सुविधाओं को और अत्याधुनिक बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ आनंदमय संवाद कर कविताएं सुनी ।

-दीया कुमारी

सामाजिक न्याय के अग्रदूत और भारतीय संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अंबेडकर की पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। सुदृढ़ और सशक्त समाज के निर्माण में उनके द्वारा किए गए योगदान को सदैव याद किया जाएगा।

-सचिन पायलट

श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस पर मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। उन्होंने मानवता की रक्षा के लिए अपने जीवन की आहुति दी थी । आइए, हम सब वीरता और त्याग के प्रतीक गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर जन कल्याण के लिए कार्य करने का संकल्प लें।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

एकाग्रता से सफलता

आश्रम में प्रवचन दे रहे महात्मा से एक व्यक्ति ने पूछा, 'महात्मा जी मैं दिन-रात मेहनत करता हूं लेकिन आज तक सफलता नहीं मिली, ऐसा क्यों?' महात्मा उसे अपने साथ बाहर ले गए और एक 'कांच का टुकड़ा और कागज' देकर 'सूर्य की किरणों' के सामने इस तरह खड़ा कर दिया जिससे किरणें कांच से सीधे कागज पर पड़ती रहें। कुछ समय पश्चात उस कागज में आग लग गयी। व्यक्ति को समझाते हुए महात्मा ने कहा कि यदि यह कांच हम हिलाते रहते हैं तो कागज को कभी आग नहीं लग सकती। उसी प्रकार यदि तुम अडिग मन और विश्वास के साथ परिश्रम करते हो तो कामयाबी अवश्य मिलेगी। मन एकाग्र नहीं होता है तो सफलता असंभव है। अतः तल्लीन होकर परिश्रम करो।

सामयिक

पूरे चुनाव अभियान में देवेंद्र फडणवीस की छवि एक परिपक्व व आत्मविश्वास से भरे हिन्दुत्ववादी शुद्ध स्वयंसेवक भाजपा नेता की बनी। उन्होंने प्रदेश में कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं और उनका समर्थन देने वाले महाविकास आघाड़ी के विरुद्ध लगातार प्रखर आक्रमणों से अपनी छवि वर्तमान राजनीतिक धारा के अनुरूप बनाई। संघ और भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की ओर से इसकी हरी झंडी थी इसलिए उन्हें खुलकर सामने आने में समस्या भी नहीं हुई। इस मंच से उनके द्वारा द्वारा गाए जा रहे जागो हिंदू गीत भी वायरल था और इसका असर हुआ। भाजपा में केंद्रीय नेतृत्व के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि पहले से प्रखर हिंदुत्ववादी नेता की है।

देवेंद्र फडणवीस के साथ पटरी पर महाराष्ट्र की राजनीति

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने के साथ महाराष्ट्र की राजनीति के स्थिर आयाम तक पहुंचने का संकेत मिल रहा है। वर्तमान विधानसभा चुनाव परिणाम का स्वाभाविक राजनीतिक फलितार्थ यही हो सकता था। वर्ष 2014 से देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र की राजनीति के जिस दौर की शुरुआत हुई उस पर 2019 में ग्रहण लगने का कोई स्वाभाविक कारण नहीं था। भाजपा और शिवसेना दोनों को मिलाकर जनता ने 161 सीटों का बहुमत दिया था लेकिन उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना ने मुख्यमंत्री के रूप में समर्थन देने से इनकार कर स्वयं अपनी दावेदारी पेश की। यहां से महाराष्ट्र की राजनीति अस्वाभाविक, अनैतिक और अस्थिरता के ऐसे दौर में उलझी जहां राजनीतिक विचारधारा का सबसे बड़ा संभ्रम कायम हुआ। शरद पवार के नेतृत्व में राकांपा और कांग्रेस तो राजनीतिक साझेदार थे ही लेकिन महाराष्ट्र में आक्रामक हिंदुत्व की राजनीति वाले शिवसेना ने सत्ता के नेतृत्व के लिए जिस तरह रंग बदला उसे जनता की स्थायी स्वीकृति मिलनी 2014 से भारत में आरंभ हुई राजनीति के दौर के बीच असाधारण घटना होती।

सच कहें तो महाराष्ट्र की राजनीतिक सत्ता अब स्वाभाविक विचारधारा की पटरी पर आ गई है। वैसे तो जून 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के अंदर हुए विद्रोह ने ही संदेश दे दिया कि अस्वाभाविक वैचारिकता के घुटन को बड़ा वर्ग स्वीकार करने को तैयार नहीं। दूसरी ओर जब अजीत पवार के नेतृत्व में राकांपा भी इस ओर आ गई तो साफ हो गया कि महाराष्ट्र के सत्ता समीकरण में कांग्रेस को छोड़ किसी दल के अंदर सहजता नहीं थी। हालांकि लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ के प्रभावी प्रदर्शन ने फिर एक बार स्वाभाविक राजनीति पर ग्रहण लगाया लेकिन निष्पक्ष और वस्तुनिष्ठ विश्लेषक मान रहे थे कि यह भी एक अस्थाई परिघटना ही है। लोकसभा चुनाव में कई कारकों ने महाराष्ट्र के साथ उत्तर प्रदेश तथा इससे कम परिमाण में कुछ दूसरे राज्यों में अपनी भूमिका निभाई जिसे भाजपा नेतृत्व में राजग की सीटें कम हुईं। परिणाम के बाद स्वयं मतदाताओं को भी लगा उनसे गलती हो चुकी है। पहले हरियाणा और फिर महाराष्ट्र में मतदाताओं ने अनुकूल परिस्थितियों, सक्षम नेतृत्व एवं समीकरणों की सहजता को देखते हुए अपना जनादेश दे दिया।

किसी भी नेता के मुख्यमंत्री बनने के बाद गठबंधन विजयी हो और सरकार में होते हुए फिर उसे पद पर न लाया जाए तो समस्या होती है। चुनाव परिणाम के बाद सरकार गठन में लगभग दो सप्ताह का समय इसी कारण लगा क्योंकि देवेंद्र को नेता के रूप में स्वीकार करने के लिए एकनाथ शिंदे को तैयार करना था या उन्हें तैयार होना था। चुनाव परिणाम से इतना तो साफ है कि एकनाथ शिंदे के विद्रोह को शिव सैनिकों ने स्वीकार किया और उन्होंने इतने प्रभावी परिवार से पार्टी को अलग कर स्वाभाविक पटरी पर लाने की अकल्पनीय भूमिका निभाई। जून 2022 में भाजपा नेतृत्व के सामने सरकार की स्थिरता और सुदृढ़ता के लिए आवश्यक था कि शिंदे को नेतृत्व दिया जाए। भाजपा नेतृत्व ने उन्हें स्थाई रूप से मुख्यमंत्री बनाने का कोई वचन दिया होता तो वह अवश्य इसकी चर्चा करते। पूरे चुनाव अभियान के दौरान कोई भी मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में पेश नहीं किया गया। शिंदे के समर्थक और शिवसैनिकों का निश्चित रूप से एक बड़ा वर्ग फिर से उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहता होगा लेकिन ऐसा जारी रहना ही फिर महाराष्ट्र की राजनीति के अस्वाभाविक अस्थिर होने का कारण बन जाता। शिंदे को भी जन प्रतिक्रिया का आभास होगा एहसास हो गया होगा कि उद्धव ठाकरे के विरुद्ध विद्रोह से निर्मित सशक्त नेता की उनकी छवि सरकार गठन में बाधा बनने से काफी कमजोर हो रही है। उनकी वर्तमान भूमिका भविष्य पर ग्रहण लग रहा था। कह सकते हैं कि दूसरे साझेदार अजीत पवार के साथ भाजपा को बहुमत मिल गया था और इसमें शिंदे की अपरिहार्यता नहीं रह गई थी। यह सतह पर दिखने वाला एक पहलू है। भाजपा नेतृत्व को पता है कि महाराष्ट्र की राजनीति में उनके लिए शिंदे नेतृत्व वाली शिवसेना का साथ विचारधारा के आधार पर दीर्घकालिक काम करने के लिए आज आवश्यक है। वैसे गठबंधन में साझेदार होने के कारण अजीत पवार के मंतव्य का भी नेतृत्व के संदर्भ में महत्व था और उन्होंने भी परिपक्वता दिखाई। सच कहें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा ने दूरगामी सोच के साथ अपनी पार्टी और दोनों साझेदारों को किसी स्तर पर असंतुष्ट और नाराज होने का अवसर नहीं दिया। संघ की भी प्रभावी सक्रियता थी। यही कारण था कि सीटों के बंटवारे और उम्मीदवारों के चयन तक में थोड़ी बहुत हल्के फुल्के मतभेद होते हुए भी तीनों पार्टियों तथा प्रमुख नेता बिल्कुल एकजुट होकर चुनाव लड़ते रहे। किसी ने भी एक दूसरे के विरुद्ध भ्रम पैदा होने का एक बयान नहीं दिया। यहां यह ध्यान रखना जरूरी है एकनाथ शिंदे जब उद्धव ठाकरे के विरुद्ध विद्रोह कर बाहर आए थे तो उन्हें भी भान नहीं था कि भाजपा उनके हाथों सरकार का नेतृत्व सौंप देगी। भाजपा के पास विधानसभा में 105 सीटें थीं। जब पत्रकार वार्ता में देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री के रूप में उनके नाम की घोषणा की तो उन्होंने बिल्कुल एक शत-प्रतिशत कृतज्ञ भरे भाव के साथ इसे देवेंद्र की महानता और विशेष कृपा करार दिया था। तो उनके अंदर भी यह भाव अवश्य रहा होगा कि देवेंद्र फडणवीस ही भाजपा और गठबंधन के स्वाभाविक नेता होंगे। वैसे देवेंद्र की शिंदे को गठबंधन से बाहर लाने में बहुत बड़ी भूमिका थी। उन्होंने उद्धव ठाकरे और शरद पवार दोनों के विरुद्ध राजनीतिक मोर्चा खोला और पवार को तो सीधी चुनौती दी।

अब प्रश्न है कि आगे सरकार की दिशा क्या होगी? पूरे चुनाव अभियान में देवेंद्र फडणवीस की छवि एक परिपक्व व आत्मविश्वास से भरे हिन्दुत्ववादी शुद्ध स्वयंसेवक भाजपा नेता की बनी। उन्होंने प्रदेश में कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं और उनका समर्थन देने वाले महाविकास आघाड़ी के विरुद्ध लगातार प्रखर आक्रमणों से अपनी छवि वर्तमान राजनीतिक धारा के अनुरूप बनाई। संघ और भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की ओर से इसकी हरी झंडी थी इसलिए उन्हें खुलकर सामने आने में समस्या भी नहीं हुई। इस मंच से उनके द्वारा द्वारा गाए जा रहे जागो हिंदू गीत भी वायरल था और इसका असर हुआ। भाजपा में केंद्रीय नेतृत्व के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि पहले से प्रखर हिंदुत्ववादी नेता की है। देवेंद्र फडणवीस के राजनीतिक जीवन का यहां से नए दौर की शुरुआत हुई है और महाराष्ट्र में भी आने वाले समय में हमें देश व प्रदेश के लिए अति आवश्यक कट्टर इस्लामवाद के विरुद्ध प्रखर हिंदुत्व की नीति साफ दिखाई देगी। भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद देवेंद्र फडणवीस ने अपने भाषण में हिंदवी स्वराज से लेकर अहिल्याबाई होल्कर का नाम लिया और फिर उसी श्रेणी में बाबा साहब से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व अन्य भाजपा नेताओं तथा समर्थन देने वाले विधायकों तक का उल्लेख कर अपनी राजनीतिक धारा को बिल्कुल स्पष्ट किया। एक है तो सेफ है और बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लेकर महायुति में लगा कि मतभेद है। अजीत पवार ने योगी आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे के विरुद्ध बयान दिया। लेकिन देवेंद्र फडणवीस ने अपने साक्षात्कार में स्पष्ट कह दिया कि योगी जी ने कुछ भी गलत नहीं बोला है। औरंगाबाद में उन्होंने वोट जिहाद को वोट के धर युद्ध से पराजित करने की घोषणा की और इनका भी चमत्कारी कसर हुआ। अजीत पवार के बारे में भी उनकी टिप्पणी थी कि वह बहुत बाद गठबंधन में आए हैं और धीरे-धीरे उन्हें भी समझ में आ जाएगा। यह सरकार गठन के पूर्व भावी नीतियों को लेकर घोषणा थी। यानी गठबंधन का कोई दबाव संघ तथा भाजपा के अपने हिंदुत्व एजेंडा के मार्ग में बाधा नहीं बनेगा। यही विचारधारा शिवसेना शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के भी भाजपा के साथ बने रहने की गारंटी होगी। धीरे-धीरे शिंदे का व्यवहार भी समान्य पटरी पर आएगा। जब 5 वर्ष तक मुख्यमंत्री रहने के बावजूद देवेंद्र फडणवीस दूरगामी राजनीतिक हित को देखते हुए उपमुख्यमंत्री के रूप में काम कर सकते हैं तो फिर एकनाथ शिंदे क्यों नहीं?

नजरिया

वायु प्रदूषण से त्रस्त बच्चे

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

मोबाइल : 7379100261

यूनिसेफ के अनुसार, हर बच्चे को सुरक्षित, स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में रहने का अधिकार है। यह उसके विकास और वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। अस्वच्छ वायु में सांस लेने से बच्चों और गर्भवती महिला को प्रतिकूल स्वास्थ प्रभावों का सामना करना पड़ता है।' यह घोषणा बहुत ही अच्छी है, किन्तु हमारा पर्यावरण बड़ी तेजी से बिगड़ रहा है। यहाँ सब ठीक-ठाक नहीं है, वायु, जल, मृदा जैसे पर्यावरण के सारे घातक प्रदूषित हो चुके हैं।

वायु हमारे पर्यावरण का वह घटक है, जो सबको समान रूप से प्राप्त है। यह प्रदूषित है, तो सब के लिए अस्वास्थ्यकर होता है। किन्तु बच्चे वायु प्रदूषण के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। जब वह प्रदूषित हवा में साँस लेते हैं तो श्वसन संक्रमण का दुष्परिणाम अधिक हो सकता है। इससे बच्चों में अस्थमा और ब्रॉन्काइटिस की बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। बच्चों का श्वसन तंत्र विकाशील अवस्था में होता है। प्रदूषित वायु स्वासनली और फेफड़ों के स्वस्थ विकास में बाधक हो जाती है। प्रदूषित वायु से फेफड़े की वायुथैलियों (एल्वियोलस) का विकास 20 प्रतिशत तक कम होने सकता है, जो अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों स्तरों पर बच्चे के स्वास्थ्य के लिए घातक होता है। वायु प्रदूषण प्राकृतिक प्रकोप नहीं, बल्कि मानवीय असावधानियों का परिणाम है। आज की तारीख में बड़े-बड़े कल-कारखाने और इस्पात संयन्त्र हैं, ताप विजलीघर हैं। इनमें कई इकाइयां आसपास स्थित होती हैं। यहाँ की भट्ठियों में सैकड़ों टन कोयले का दहन होता है। इससे बहुत अधिक कार्बन उत्सर्जन होता है, जो राख और कार्बन मोनो आक्साइड के साथ मिलकर वायुमण्डल में प्रवेश करता है। सड़कों और रेलमार्ग पर लाखों वाहन दौड़ रहे हैं। आसमान में वायुयान की उड़ानें भी अधिक हो चुकी हैं। इसमें जीवाश्म ईंधन का उपयोग होता है। यह वायु में सल्फर और नाइट्रोजन के आक्साइड, हाइड्रोकार्बन, सीसा, अमोनिया और अधजले पेट्रोल-डीजल के कण छोड़ते हैं। कचरा निपटान का असुरक्षित तरीका, खुली नालियाँ, मृत पशुओं के शव जैसी कई समस्याओं से वायु प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। वृक्षों के कटते जाने और गिद्धों के लुप्तप्राय होने से यह समस्या विकराल होती जा रही है।

प्रदूषण की समस्या आधुनिक जीवन शैली और तेज विकास का प्रतिफल है। जीवन शैली को पीछे ले जाकर प्रकृति से जोड़ पाना अब सम्भव नहीं है। विकास की गति को भी नहीं रोक सकते। किन्तु विकास से पूर्व उससे जुड़ी पर्यावरणीय क्षति का आकलन करना और क्षतिपूर्ति के लिए समानान्तर योजनाएं बनाकर उसका शत प्रतिशत क्रियान्वयन तो होना ही चाहिए। नदियों के दोनों तटों पर और शहरी बस्ती के चारों तरफ हरित पट्टी का विकाश भी वायु प्रदूषण से बचाव का एक उपाय हो सकता है।

पुराने भवनों, कारखानों और पुलों का गिराया जाना, बड़ी-बड़ी कालोनियों का विकास, फ्लाइओवर और सड़कों का अंधाधुंध निर्माण भी वायुमंडल को प्रदूषित करने के मामले में अग्रणी हैं। इससे ढेर सारा पार्टिकुलेट मैटर वायुमंडल में प्रवेश करता है। यह पी एम जितने सूक्ष्म होते हैं, फेफड़े की वायु थैलियों उतनी ही गहराई में जाकर बच्चों के स्वास्थ के लिए विनाशकारी बनते हैं। वयस्कों की तुलना में प्राथमिक और नर्सरी के बच्चे इससे अधिक प्रभावित होते हैं। एक निष्कर्ष के अनुसार, सड़क पर चलते समय बच्चे 30 प्रतिशत अधिक प्रदूषण की चपेट में आ सकते हैं। वास्तव में वह छोटे होते हैं, उनके श्वसन का क्षेत्र ठीक वही होता है, जहां वाहन की धूम्रनलियाँ (साइलेन्सर) धुआँ छोड़ती हैं। कई शोध के निष्कर्ष से पता चला है कि वायु प्रदूषण बच्चों की तांत्रिक तंत्र के विकास और संज्ञानात्मक क्षमता पर बुरा असर डालता है। जो बच्चे कम आयु से प्रदूषणग्रस्त वायु परिक्षेत्र में रहते आए हैं, भविष्य में उनके समक्ष ध्यान सम्बन्धी समस्या पैदा होने का आसार बहुत अधिक होता है। इनकी स्मृति भी निम्न स्तर की होती है, कल्पना और तर्क के स्तर पर भी इनका प्रदर्शन खराब होता है।

वायु प्रदूषण सर्दियों में और भी घातक हो जाता है। वास्तव में सर्दियों में हवा ठंडी होती है, यह गरम हवा की तुलना में अधिक सघन होती है। ठंडी हवा का बहाव भी बहुत धीमा होता है। इसलिए सर्दियों में हवा में तैरते और फंसे हुए प्रदूषक एक ही छोटे परिक्षेत्र में काफी देर तक मौजूद रहते हैं और साँस के जरिए अधिक मात्रा में शरीर के अन्दर जाते हैं। बच्चे वयस्कों की तुलना में साँस अधिक लेते हैं, इसलिए उनमें प्रदूषकों की अधिक मात्रा प्रवेश करती है। यह उनके रक्त संचार तंत्र को भी प्रभावित करता है। अस्वच्छ वायु से बच्चों में निमोनिया होने का खतरा भी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी जानलेवा बीमारी है जिसकी चपेट में आकर विश्व में सर्वाधिक बच्चे मृत्यु की गोद में चले जाते हैं।

सर्दियों में दिल्ली जैसे कई शहर स्माग की समस्या से ग्रस्त हो जाते हैं। इसका कारण भी वायुमण्डल के प्रदूषण से सम्बन्धित है। दिवाली के समय पटाखों का धुआँ, पंजाब और हरियाणा में धान की पराली जलाने से होने वाला धुआँ के साथ औद्योगिक इकाइयों की दहन भट्ठियों की गैस और वाहनों का उत्सर्जन सब मिलकर आसमान में धुंध की चादर बनकर छा जाती है। इससे कभी-कभी अम्लीय वर्षा हो सकती है। वैसे तो यह सब के लिए खतरनाक होती है, किन्तु बच्चे इसकी चपेट में आकर शरीर पर खुजली और चकत्तों के शिकार हो सकते हैं। अम्लीय वर्षा का जल आँख में पड़ने से आँख में जलन, खजुलाहट और लाली की शिकायत हो जाती है। स्माग से ए. क्यू. आई. यानी वायु गुणवत्ता सूचकांक का स्तर चिंताजनक होने लगता है। एक्यूआई मूलतः वायु की गुणवत्ता की दैनिक रिपोर्टिंग है। यह यदि 0 से 50 के बीच होती है तो नार्मल मानी जाती है। किन्तु जब 201 से 300 के बीच पहुँच जाती है तो अत्यधिक प्रदूषित स्थिति की सूचक हो जाती है। ऐसी स्थिति में बच्चों के स्कूल बंद कर देने पड़ते हैं। कार वगैरह के संचालन में 'ओड-इवेन' का सिलसिला शुरू हो जाता है। इस बार तो दिल्ली में यह 400 के करीब पहुँच गया था, जो वायु की अत्यधिक प्रदूषित अवस्था का द्योतक था।

प्रदूषण की समस्या आधुनिक जीवन शैली और तेज विकास का प्रतिफल है। जीवन शैली को पीछे ले जाकर प्रकृति से जोड़ पाना अब सम्भव नहीं है। विकास की गति को भी नहीं रोक सकते। किन्तु विकास से पूर्व उससे जुड़ी पर्यावरणीय क्षति का आकलन करना और क्षतिपूर्ति के लिए समानान्तर योजनाएं बनाकर उसका शत प्रतिशत क्रियान्वयन तो होना ही चाहिए। नदियों के दोनों तटों पर और शहरी बस्ती के चारों तरफ हरित पट्टी का विकाश भी वायु प्रदूषण से बचाव का एक उपाय हो सकता है। आज के बच्चे कल के नागरिक हैं, विकास की सारी रूपरेखा सरकारें इनके भविष्य को ही ध्यान में रखकर तैयार करती हैं। किन्तु जब यह रोगी, कमजोर और अयोग्य होकर रह जाएंगे तो विकास का क्या होगा। इसलिए तत्काल सचेत होने की आवश्यकता है, अन्यथा बहुत देर हो जाएगी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोलकाता में शुक्रवार को अभिनेत्री विद्या बालन 30वें कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुईं।

महाराष्ट्र में हिंदुत्व ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जवाबी ध्रुवीकरण से 'महायुति' को जीतने में मदद मिली: फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा है कि हाल के राज्य विधानसभा चुनाव में हिंदुत्व के मुद्दे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और जवाबी ध्रुवीकरण से 'महायुति' गठबंधन को बड़ी जीत हासिल करने में मदद मिली।

बृहस्पतिवार को तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले फडणवीस ने एबीपी न्यूज चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा कि हिंदुत्व और विकास एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का हिंदुत्व जीवन जीने का एक तरीका है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) का (इस्लामी विद्वान) सज्जाद नोमानी जैसे लोगों के साथ एक समझौता था, जिसमें 2012 से मुसलमानों के खिलाफ दर्ज दंगों के मामलों को वापस लेने पर सहमति हुई थी। चुनाव प्रचार के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ''बँटेंगे तो कटेंगे'' का नारा दिया था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ''एक हैं, तो सेफ हैं'' का नारा दिया था। चुनाव प्रचार के दौरान, फडणवीस ने नोमानी द्वारा महायुति सरकार के खिलाफ ''वोट-जिहाद'' की कथित अपील किए जाने का जवाब ''वोटों के धर्म-युद्ध'' की

वकालत करके दिया था। फडणवीस ने कहा, ''मतदान प्रतिशत में वृद्धि हुई, क्योंकि कांग्रेस ने हिंदुओं को दबाने की कोशिश की। जब आप किसी को दबाने की कोशिश करते हैं, तो वे मजबूती से उठते हैं। हिंदुत्व ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और जवाबी ध्रुवीकरण ने 'महायुति' गठबंधन की मदद की। हमारी विकास योजनाओं और हिंदुत्व ने काम किया। हिंदुत्व और विकास एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। इस साल के विधानसभा चुनाव में 66.05 प्रतिशत मतदान हुआ, जो 2019 में 61.1 प्रतिशत था। फडणवीस ने कहा, ''भाजपा का हिंदुत्व जीवन जीने का एक तरीका है और यह धार्मिक रीति-रिवाजों से संबंधित नहीं है। मुसलमानों के विभिन्न धार्मिक रीति-रिवाज हैं। किसी को भी हिंदुत्व के बारे में संकीर्ण सोच नहीं रखनी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यों से दिखाया है कि समावेशी हिंदुत्व क्या है। फडणवीस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर स्पष्ट रूप से निशाना साधते हुए कहा, ''जो लोग मुस्लिम वोट खोने के डर से मंदिरों में जाने से डरते थे, वे अब बार-बार मंदिरों में जा रहे हैं।'' मुख्यमंत्री के रूप में फडणवीस के अलावा, शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। मंत्रिपरिषद विस्तार पर फडणवीस ने कहा कि यह 16 दिसंबर से पहले हो जाना चाहिए, जब राज्य विधानमंडल का शीतकालीन सत्र नागपुर में शुरू होगा। उन्होंने कहा, ''तीन दल हैं और उनमें से प्रत्येक को उचित सम्मान दिया जाएगा। विभाग आवंटन पर चर्चा जारी है।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं सभी राजनीतिक नेताओं के साथ संवाद स्थापित करने की कोशिश करूंगा, जो 2019 से बंद है।''

'महायुति' गठबंधन ने महाराष्ट्र की कुल 288 विधानसभा सीट में से 230 सीट पर जीत हासिल की। भाजपा को 132 सीट, शिवसेना को 57 और राकांपा को 41 सीट मिलीं।

सुरक्षा, रक्षा पर द्विदलीय समर्थन भारत-अमेरिका संबंधों में महत्वपूर्ण आयाम: विवेक लाल

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका में सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया के बीच एक शीर्ष भारतीय अमेरिकी रक्षा नेता ने कहा कि सुरक्षा एवं रक्षा मामलों पर द्विदलीय समर्थन और सहयोग भारत-अमेरिका साझेदारी का सबसे महत्वपूर्ण आयाम है।

'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में 'जनरल एटॉमिक्स ग्लोबल कॉरपोरेशन' के मुख्य कार्यकारी डॉ विवेक लाल ने कहा, ''21वीं सदी की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारियों में से एक भारत और अमेरिका की साझेदारी है।'' उन्होंने कहा, ''इस गठबंधन का सबसे महत्वपूर्ण आयाम सुरक्षा एवं रक्षा मामलों पर द्विदलीय समर्थन और सहयोग है।''

जून 2016 में तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और अमेरिका के बीच दुनिया के सबसे बड़े मानवरहित ड्रोन की खरीद के समझौते का समर्थन किया था, जिसे इस साल उनके उत्तराधिकारी जो बाइडन ने पूरा किया। उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा पहलुओं को प्राप्त द्विदलीय समर्थन को दर्शाता है।

बीते एक दशक में भारत-अमेरिका रक्षा व्यापार में एक प्रमुख हस्ती के तौर पर उभरे लाल ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, ''बड़े, विविधतापूर्ण लोकतांत्रिक देशों के रूप में भारत और अमेरिका स्वाभाविक साझेदार हैं और दुनिया भर में शांति, स्थिरता और सुरक्षा के लिए समान व्यापक लक्ष्यों को साझा करते हैं।''

अक्टूबर में, लाल को स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के हूवर इंस्टीट्यूशन में प्रतिष्ठित विजिटिंग फेलो के रूप में नियुक्त किया गया था, जिसमें भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों को बढ़ाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता दी गई थी, जिसमें तीन अरब अमेरीकी डॉलर से अधिक का एक प्रमुख ड्रोन समझौता भी शामिल था।

भारतीय फिल्म निर्माता इजराइल में रचनात्मक सहयोग की संभावनाएं तलाश रहे हैं

यरुशलम/भाषा

प्रमुख भारतीय फिल्म निर्माताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने इजराइल के मनोरंजन उद्योग के विभिन्न हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया तथा दोनों देशों के सहयोग से बनने वाली परियोजनाओं और रचनात्मक क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं में एक-दूसरे की क्षमताओं के उपयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के अध्यक्ष नितिन तेज आहूजा, फिल्म निर्माता, अभिनेता एवं राहुल मित्रा फिल्म्स एंड ब्रांडस्मिथ मोशन पिक्चर्स के संस्थापक राहुल मित्रा, ढिशूम सिनेमा के सीईओ और सह-संस्थापक तुषार ढींगरा, 'आरआरआर' पर अपने काम के लिए प्रसिद्ध 'वीएफएक्स' विशेषज्ञ नवीन डैनियल इसाक और भारत के मनोरंजन उद्योग में परियोजना प्रबंधक जिगर ढींगरा शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच इस महीने इजराइल में छह दिन बिताए।

यात्रा संबंधी चेतावनियों को नजरअंदाज करते हुए प्रतिनिधिमंडल ने पूरे देश की यात्रा की और मनोरंजन उद्योग के बारे में जानकारी प्राप्त की, विभिन्न परिदृश्यों का अवलोकन किया तथा स्थानीय संस्कृति और इतिहास से रुबरु हुए।

मित्रा ने कहा, ''इजराइल और भारत गहरी सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक समानताएं साझा करते हैं। इजराइल की रचनात्मक एवं मनोरंजन सामग्री को भारत और दुनिया भर में पसंद किया जाता है। सिनेमा में लोगों को जोड़ने की असाधारण क्षमता है और भारतीय फिल्म उद्योग दुनिया को आकर्षित करने के लिए तैयार है। हम लगातार नए स्थानों और नई कहानियों की तलाश में रहते हैं।''

उन्होंने कहा, ''मैं इजराइल की यात्रा पर आकर बहुत खुश हूं तथा फिल्म सह-निर्माण, ब्रांडिंग एवं कला से संबंधित अन्य क्षेत्रों में तालमेल और साझेदारी की संभावनाएं तलाश रहा हूं।'' एक अधिकारी ने कहा कि यह यात्रा इजराइल के विदेश मंत्रालय और प्रवासी मामलों के मंत्रालय के समर्थन और वित्त पोषण के साथ-साथ मुंबई स्थित इजराइली वाणिज्य दूतावास और नई दिल्ली स्थित दूतावास से संभव हो पाई, जो ''कठिन परिस्थितियों में सांस्कृतिक कूटनीति के लचीलेपन को दर्शाता है।''

आईएमडीबी की लिस्ट में तृप्ति डिमरी सबसे लोकप्रिय भारतीय स्टार बनीं

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इस वर्ष आईएमडीबी की लिस्ट में सबसे लोकप्रिय भारतीय स्टार बन गयी हैं। फिल्मों, टीवी और मशहूर हस्तियों के बारे में जानकारी के लिए दुनिया के सबसे लोकप्रिय और आधिकारिक स्रोत आईएमडीबी ने 2024 के शीर्ष 10 सबसे लोकप्रिय भारतीय अभिनेताओं की घोषणा की, जो दुनिया भर में आईएमडीबी के 250 मिलियन से अधिक मासिक दर्शकों के वास्तविक पेज व्यू द्वारा निर्धारित किए गए हैं। तृप्ति डिमरी आईएमडीबी की लिस्ट में टॉप पर है। आईएमडीबी इंडिया की प्रमुख यामिनी पटोदिया ने कहा, आईएमडीबी की 2024 की सबसे लोकप्रिय भारतीय अभिनेताओं की सूची भारतीय मनोरंजन के गतिशील परिदृश्य को दर्शाती है, जिसमें स्थापित आइकन और उभरती प्रतिभाओं का मिश्रण है।हमारी वार्षिक सूची वैश्विक दर्शकों की विकसित होती रुचियों को दर्शाती है, जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि शाहरुख खान और ऐश्वर्या राय बच्चन जैसे दिग्गज सितारे तृप्ति डिमरी और शरवरी जैसी उभरती प्रतिभाओं के साथ प्रशंसकों को कैसे आकर्षित करना जारी रखते हैं। इस साल की सूची भारतीय सिनेमा और उसके अभिनेताओं की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय अपील को भी दर्शाती है। अपने प्रशंसकों का शुक्रिया अदा करते हुए तृप्ति डिमरी ने कहा, आईएमडीबी की 2024 की सबसे लोकप्रिय भारतीय अभिनेताओं की सूची में नंबर 1 स्थान पर आना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। यह मान्यता मेरे प्रशंसकों के अविश्वसनीय समर्थन और उन सभी की कड़ी मेहनत का प्रमाण है जिनके साथ मुझे सहयोग करने का सौभाग्य मिला है। रोमांचक परियोजनाओं पर काम करने से लेकर भूल भुलैया 3 के साथ 2024 को समेटने तक, यह मेरे लिए एक यादगार साल रहा है। मैं इस प्रेरक उद्योग का हिस्सा बनी रहने के साथ ही आगे क्या होता है, इसका बेसब्री इंतजार कर रही हूं। आईएमडीबी 2024 के शीर्ष 10 सबसे लोकप्रिय भारतीय अभिनेताओं में तृप्ति डिमरी,दीपिका पादुकोण,ईशान खट्टर, शाहरुख खान, शोभिता धूलिपाला, शरवरी,ऐश्वर्या राय बच्चन, सामंथा, आलिया भट्ट और प्रभास शामिल हैं।

संबोधन

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और पार्टी सांसद बांसुरी स्वराज शुक्रवार को नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए।

टेनिस सीखना चाहती हैं अभिनेत्री रूपाली गांगुली

मुंबई/एजेन्सी

टीवी में अपने काम से लोगों का दिल जीतने वाली लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री रूपाली गांगुली ने बताया कि वह नए साल पर टेनिस सीखना चाहती हैं, ताकि वह अपने बेटे के साथ खेल सकें। अभिनेत्री रूपाली ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनके बेटे को गोवा में अपने परिवार के साथ छुट्टियां बिताने के दौरान टेबल टेनिस खेलते हुए देखा जा सकता है। रूपाली ने अपने फैंस के साथ शेयर करते हुए लिखा, मैं नए साल पर टेबल टेनिस सीखना चाहती हूं। मैं कभी भी पहले खेल में नहीं रही। मैंने अपने स्कूल टाइम में भी कभी खेलों में भाग भी नहीं लिया। मैं इसे इसलिए सीखना चाहती हूं, ताकि मैं अपने बेटे के साथ इस खेल का आनंद ले सकूं।'' 30 नवंबर को रूपाली पति अश्विन और अपने बेटे के साथ छुट्टियां मनाने के लिए गोवा रवाना हुईं थी। अश्विन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फ्लाइट में बैठे तीनों की कई तस्वीरें शेयर कीं थी। उन्होंने तस्वीरों को कैप्शन देते हुए लिखा था, 'फैमिली टाइम।' रूपाली ने भी सोशल मीडिया पर यह तस्वीरें शेयर की थी। इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में शेयर की गई तस्वीरों में वह अपने पति और बेटे के साथ देखी जा सकती हैं। इसके साथ उन्होंने कई और तस्वीरें अपने फैंस के साथ शेयर की। आखिरी तस्वीर में अभिनेत्री चश्मा पहने हुए दिखाई दे रही हैं। सौतेली बेटी ईशा वर्मा के साथ चल रहे कानूनी विवाद के बीच, रूपाली ने हाल ही में एक नोट फिर से शेयर किया था। जिसमें अभिनेत्री ने लिखा था ,आपको किसी को कुछ साबित नहीं करना है।

'द डायरी ऑफ मणिपुर' से हिंदी फिल्मों में डेब्यू करेंगे अमित राव

मुंबई/एजेन्सी

मणिपुर हिंसा के ज्वलंत मुद्दे पर बनने जा रही फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर से अमित राव हिंदी फिल्मों में डेब्यू कर रहे हैं। 'द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल' के मेकर सनोज मिश्रा अब मणिपुर हिंसा के ज्वलंत मुद्दे पर फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' बनाने जा रहे हैं। इस फिल्म के जरिए अमित राय हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने जा रहे हैं। फिल्म के लेखक निर्माता और निर्देशक सनोज मिश्र ने फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' से जुड़ी जानकारी शेयर की। उन्होंने बताया कि इस फिल्म के जरिए मणिपुर हिंसा की सच्चाई दिखाने जा रहा हूं। सनोज मिश्र ने कहा, मैं अपनी फिल्मों के माध्यम से समाज के ऐसे ज्वलंत मुद्दों दिखता रहूंगा। डायरेक्टर होने के नाते मेरा यह कर्तव्य भी हैं कि अपनी फिल्मों के माध्यम से समाज की सच्ची तस्वीर पेश करूं। मैं किसी की धमकियों से नहीं डरता हूं। फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' के जरिए अमित राव इंडस्ट्री में डेब्यू कर रहे हैं। रंग मंच की दुनिया में उनका बहुत बड़ा नाम है।

अमित राव ने कहा, मुझे काफी समय से फिल्मों के ऑफर मिल रहे हैं, लेकिन मैने कभी फिल्मों में एक्टिंग को गंभीरता से नहीं लिया। जब इस फिल्म के लिए डायरेक्टर सनोज मिश्र ने मुझसे संपर्क किया और फिल्म की कहानी सुनाई तो इस फिल्म में काम करने से खुद को नहीं रोक पाया। मुझे लगता है कि बॉलीवुड में मेरी शुरुआत का यह अच्छा समय है।

सनोज मिश्रा फिल्म्स के बैनर तले बनने जा रही फिल्म द डायरी ऑफ मणिपुर के लेखक, निर्माता और निर्देशक सनोज मिश्र हैं। फिल्म के सह -निर्माता यामीन खान, जावेद देवरियावाले ,धीरेंद्र ठाकुर, और संजय कुमार हैं। अमित राव के अलावा इस फिल्म में देश की प्रसिद्ध योग शिक्षिका मानसी गुलाटी और भजन सम्राट अनूप जलोटा भी एक खास किरदार निभा रहे हैं। फिल्म के बाकी कलाकारों का चयन जारी है।

विक्रांत मैसी ने 'आंखों की गुस्ताखियां' की शूटिंग शुरू की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी ने अपनी आने वाली फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' की शूटिंग देहरादून में शुरू कर दी है। फिल्म जगत से 'ब्रेक' का ऐलान करने वाले विक्रांत मैसी नए प्रोजेक्ट की तैयारी में जुट गए हैं।

फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' में विक्रांत मैसी के साथ शनाया कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। निर्माता मानसी बागला ने कहा, रोमांटिक फिल्म के लिए स्टार्स के चयन को लेकर हम बहुत सजग थे। विक्रांत मैसी प्रतिभा का खजाना हैं और शनाया कपूर के साथ उनकी केमिस्ट्री मनमोहक है। मिनी फिल्म्स द्वारा निर्मित और संतोष सिंह द्वारा निर्देशित म्यूजिकल लव स्टोरी 'आंखों की गुस्ताखियां' विक्रांत मैसी के साथ शनाया कपूर और आरुषि निशंक अहम रोल में हैं।फिल्म की कहानी को निरंजन अयंगर और मानसी बागला ने तैयार किया है।विक्रांत ने हाल ही में 'रिटायरमेंट' का ऐलान किया था। हालांकि, उन्होंने बाद में स्पष्ट किया कि ये सिर्फ ब्रेक है। उन्होंने कहा कि वह रिटायर नहीं हो रहे हैं, बल्कि कुछ समय के लिए ब्रेक ले रहे हैं।

ममता कुलकर्णी ने 24 साल बाद मुंबई लौटने पर जताई खुशी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की बोल्ड अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने 24 साल बाद मुंबई लौटने पर खुशी जताई है। 90 के दशक में हिंदी सिनेमा में कदम रखने वालीं ममता कुलकर्णी फिल्मों को छोड़ने के साथ-साथ भारत भी छोड़ दिया। ममता कुलकर्णी अब 24 साल के बाद भारत लौट आई हैं। उन्होंने एक वीडियो शेयर करके बताया कि वह एक खास काम से इंडिया लौटी हैं। ममता कुलकर्णी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है। वीडियो में ममता ने कहा,हेलो, मैं ममता कुलकर्णी हूं। 24 साल के बाद मैं मुंबई लौटी हूं 'आमची मुंबई'। मुझे वो बीता वक्त याद आ गया है, जब मैं साल 2000 में इंडिया के बाहर गई थी और साल 2024 में मै वापस आई हूं। मैं काफी भावुक हो गई हूं और उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती। मैं काफी इमोशनल हो गई हूं। जब मेरी फ्लाइट लैंड हो रही थी, तो मैं अपने आसपास देख रही थी। मैंने 24 साल के बाद अपने देश को टॉप से देखा और मेरी आंखों में आंसू आ गए। ममता ने वीडियो पोस्ट करने के साथ कैप्शन में लिखा, मैं अपनी मातृभूमि पर 25 साल बाद लौटी हूं। 12 सालों की तपस्या के बाद मैंने 'कुंभ मेला अटेंड किया था और अब 12 साल बाद में दोबारा 'महाकुंभ 2025' का हिस्सा बनने के लिए लौटी हूं।

फिल्म 'फतेह' का टीजर' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद की पहली निर्देशित फिल्म 'फतेह' के टीज़र ने 'पुष्पा 2: द रूल' के साथ सिनेमाघरों में धूम मचा दी है। ज़ी स्टूडियोज़ और शक्ति सागर प्रोडक्शंस की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'फतेह' का टीज़र आज 'पुष्पा 2: द रूल' के साथ सिनेमाघरों में आ गया है। साइबरस्पेस में सच्ची घटनाओं से प्रेरित इस मनोरंजक एक्शन गाथा में डिजिटल दुनिया की अंधेरी गलियों का मुक़ाबला होने वाला है। सोनू सूद के निर्देशन में बनी यह पहली फिल्म है, जिसमें उनके साथ जैकलीन फर्नांडीज, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह भी हैं। आज फिल्म देखने वालों को बड़े पर्दे पर इस फिल्म की झलक देखने को मिलेगी, लेकिन टीजर का डिजिटल अनावरण 09 दिसंबर को होगा। सोनू सूद ने कहा, फतेह के साथ पहली बार निर्देशक की कुर्सी पर बैठना जुनून और उद्देश्य की यात्रा रही है। यह एक्शन गाथा डिजिटल दुनिया की छाया में लड़ी गई अनदेखी लड़ाइयों को ध्यान में लाती है। मैं रोमांचित हूं कि फतेह का टीजर उन दर्शकों के लिए जारी किया गया है जो सिनेमाघरों में पुष्पा 2: द रूल देख रहे हैं। यह एक ऐसी दुनिया की झलक है जिसे बनाने में हमने अपना दिल लगाया है, और मैं दर्शकों को फतेह की एड्रेनालाईन, भावनाओं और विशुद्ध शक्ति का अनुभव करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। यह फिल्म हर उस नायक के लिए मेरी श्रद्धांजलि है जो असंभव बाधाओं के खिलाफ लड़ने की हिम्मत रखता है, और मुझे उम्मीद है कि यह दर्शकों को प्रेरित और रोमांचित करेगी। शक्ति सागर प्रोडक्शंस के लिए सोनाली सूद और ज़ी स्टूडियोज़ के लिए उमेश केआर बंसल द्वारा निर्मित, फिल्म फ़तेह 10 जनवरी, 2025 को रिलीज़ होने वाली है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | शनिवार | 07-12-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय सुमतिनाथ जैन मंदिर, मनवर्तपेट का वार्षिक ध्वजारोहण आचार्य हीरचंद्रसूरीजी की निश्रा में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। लाभार्थी मनोहरमल कानाजी परिवार ने मंदिर शिखर पर ध्वजा चढ़ाई।

रेल व्हील फैक्ट्री में महापरिनिर्वाण दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रेल व्हील फैक्ट्री(आरडब्ल्यूएफ) के महाप्रबंधक चंद्र वीर रमन ने संविधान के निर्माता और सामाजिक न्याय के प्रतीक डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह दिन समानता और मानवीय गरिमा के लिए, अथक संघर्ष और राष्ट्र को संचालित करने वाले डॉ अम्बेडकर को याद करने तथा एक व्यापक संविधान देने में उनके अपार योगदान को याद करने का दिन है ।

इस दिन हम उनके सपने को पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराते हैं। महाप्रबंधक चंद्रवीर रमन ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारियों ने भी महान नेता को पुष्पांजलि अर्पित की।

तपस्या ही शरीर का सच्चा श्रृंगार है : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट जैन स्थानक में अपने दैनिक प्रवचन में श्री शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने कहा कि व्यक्ति की ज्ञान शक्ति से स्वयं को भी धर्म में जोड़ सकता है। और श्रुतज्ञान द्धारा अन्यों को भी प्रेरणा देकर जोड़ता है। श्रुतज्ञान की अवगाहना करने पर ही सत्य की पहचान होती है। तपस्या ही शरीर का सच्चा श्रृंगार है। सविनय पृच्छा है कि बड़ी तपस्याओं में पारणे में खतरा रहता है। मुनिश्री ने कहा कि पूर्वजो से सुना है कि सौ वर्ष पहले हमारे जैन इतिहास में अपवाद को छोड़ कोई अट्ठाई मासखमण करने की कोई परम्परा ही नहीं थी। अट्ठम तेला तप में देवता आते थे। शादी के बाद भी तेला तक करा देते हैं। संघ संचालक सुरेंद्रकुमार रुणवाल ने संघ की तरफ से मुनि श्री का आभार व्यक्त किया। प्रवक्ता प्रकाशचंद विनायकिया ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया।

सुमतिनाथ जैन मंदिर का वार्षिक ध्वजारोहण हर्षोल्लास से सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सुमतिनाथ जैन मंदिर, मनवर्तपेट का वार्षिक ध्वजारोहण आचार्य हीरचंद्रसूरीजी की निश्रा में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। लाभार्थी मनोहरमल कानाजी परिवार ने मंदिर शिखर पर ध्वजा चढ़ाई। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि मंदिर में पूजा करने से ज्यादा दर्शन करने वालों की संख्या है और मंदिर में दर्शन करने वालों से ज्यादा मंदिर की ध्वजा का दर्शन करने वाले होते है। उन्होंने कहा कि मंदिर की ध्वजा का दर्शन करने से 30 उपवास का पुण्य मिलता है। सुमतिनाथ जैन मंदिर ट्रस्ट की ओर से आगामी 22वीं ध्वजारोहण का लाभ हेमाबेन हिम्मतलाल हिरण परिवार विजयनगर परिवार को मिला। ध्वजारोहण समारोह में मंदिर ट्रस्ट के संरक्षक सुरेन्द्र जैन, अध्यक्ष दिलीप जैन, बाबूलाल दानी, प्रवीण हरण, प्रदीप शाह, जयंतीलाल श्रीश्रीमाल, नरेन्द्र जैन, चेतन सतावत, विराग शाह सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे। पूजन की सम्पूर्ण विधि विक्रम गुरु ने करवाई गई और संगीतकार कमलेश एंड पार्टी ने संगीत की प्रस्तुति दी।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के समृद्धि कला अकादमी द्वारा कन्नड भवन के नयना सभागार में सांस्कृतिक स्पर्धा नृत्य सौरभ का आयोजन किया गया जिसमें 50 से भी ज्यादा विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी अपनी प्रस्तुति दी। विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने पुरस्कृत किया।आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

विदेश सचिव मिस्री नौ दिसंबर को बांग्लादेश का दौरा करेंगे: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने विदेश सचिव विक्रम मिस्री के नौ दिसंबर को बांग्लादेश का दौरा करने की शुक्रवार को घोषणा की। उनकी यह यात्रा इस पड़ोसी देश में हिंदुओं समेत अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर दोनों देशों के बीच उत्पन्न हुए तनाव की पृष्ठभूमि में हो रही है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि मिस्री विदेश कार्यालय परामर्श के ढांचे के तहत एक बैठक में शामिल होने के लिए बांग्लादेश की यात्रा पर जाएंगे। उन्होंने कहा कि विदेश सचिव नौ दिसंबर को बांग्लादेश का दौरा करेंगे।

जायसवाल साप्ताहिक प्रेस वार्ता में एक सवाल का जवाब दे रहे थे।

संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत इस मामले में निष्पक्ष, न्यायसंगत और पारदर्शी कानूनी प्रक्रिया की उम्मीद करता है। उन्होंने कहा, ''हमने इस मुद्दे पर पहले भी बात की है। हम अपनी अपेक्षा दोहराना चाहेंगे कि बांग्लादेश में जारी संबद्ध कानूनी प्रक्रियाएं निष्पक्ष, न्यायसंगत और पारदर्शी होंगी, ताकि संबंधित व्यक्तियों के कानूनी अधिकारों का पूरा सम्मान सुनिश्चित हो सके।''

मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों में तनाव आ गया है। भारत इस पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर हमलों को लेकर चिंता जताता रहा है।

पिछले कुछ महीनों में बांग्लादेश में हिंदू समुदाय समेत अल्पसंख्यकों पर हमलों की घटनाओं में वृद्धि हुई है।

भारत ने पिछले सप्ताह कहा था कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। साथ ही, इसने हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की बढ़ती घटनाओं को लेकर गंभीर चिंता जताई थी।

एयरक्राफ्ट एंड सिस्टम्स टेस्टिंग एस्टेब्लिशमेंट में 24वां प्रोडक्शन टेस्ट पायलट कोर्स पूरा हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चौबीसवां प्रोडक्शन टेस्ट पायलट कोर्स शुक्रवार को बेंगलूरु स्थित एयरक्राफ्ट एंड सिस्टम्स टेस्टिंग एस्टेब्लिशमेंट के एयर फोर्स टेस्ट पायलट स्कूल में संपन्न हुआ। समारोह में भारतीय वायुसेना के अनुरक्षण कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल विजय कुमार गर्ग भी मौजूद थे। स्क्वाड्रन लीडर आशीष भारद्वाज को पूरे पाठ्यक्रम के दौरान उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंड छात्र ट्रॉफी दी गई।

समारोह के दौरान सात अधिकारियों (भारतीय वायुसेना से छह और भारतीय तटरक्षक बल से एक) को पाठ्यक्रम के सफल समापन पर प्रमाण पत्र दिए गए। ये स्नातक अब एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी में भारत की आत्मनिर्भरता में योगदान देंगे तथा देश के रक्षा और स्वदेशी विमान उत्पादन प्रयासों में सहयोग करेंगे।

भारतीय वायुसेना, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, सोसाइटी ऑफ एक्सपेरीमेंटल टेस्ट पायलट्स और सोसाइटी ऑफ फ्लाइट टेस्ट इंजीनियर्स के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भी समारोह में भाग लिया। पिछले कुछ वर्षों में, वायुसेना परीक्षण पायलट स्कूल ने अत्यधिक कुशल परीक्षण पायलट तैयार किए हैं, जिन्होंने गगनयान मिशन सहित भारत के रक्षा एयरोस्पेस और अंतरिक्ष कार्यक्रमों में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। स्कूल ने कई मित्र देशों के अधिकारियों को भी प्रशिक्षित किया है, जिससे इसकी वैश्विक प्रतिष्ठा मजबूत हुई है।

40 देशों धावक 'अल्ट्रा रनर 2024' विश्व चैंपियनशिप में दौड़ेंगे आज

भारत में पहली बार 100 किलोमीटर विश्व चैंपियनशिप दौड़ आज बेंगलूरु में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अपनी सांस्कृतिक विविधता और गतिशील भावना के लिए प्रसिद्ध बेंगलूरु में शनिवार को एक ऐतिहासिक एथलेटिक इवेंट होने जा रहा है जिसमें आप सभी 100 किलोमीटर विश्व चैम्पियनशिप दौड़ के साक्षी बनेंगे। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ अल्ट्रा रनर्स (आईएयू) और वर्ल्ड मास्टर्स एथलेटिक्स (डब्ल्यूएमए) के तत्वावधान में आयोजित, एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) द्वारा समर्थित यह बहुप्रतीक्षित यह विशाल कार्यक्रम जीकेवीके कैंपस में होगा। यह भी पहली बार है जब भारत इस प्रतिष्ठित वैश्विक अल्ट्रा रनिंग चैंपियनशिप की मेजबानी कर रहा है। इस वर्ष भारत में एनईबी स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित चैंपियनशिप में दुनिया के विभिन्न हिस्सों से 40 से अधिक देशों के एथलीट भाग लेंगे और पुरुष और महिला दोनों के लिए व्यक्तिगत और टीम श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

इस आयोजन में वर्ल्ड मास्टर्स 100 किलोमीटर चैंपियनशिप भी शामिल होगी, जो प्रतिभागियों को 5-वर्षीय आयु वर्ग (35 वर्ष से अधिक) में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देती है, समावेशिता को बढ़ावा देती है और अल्ट्रारनिंग में प्रतिस्पर्धी अवसरों का विस्तार करती है। उद्घाटन समारोह में आईएयू के अध्यक्ष डॉ नदीम खान, रेस डायरेक्टर नागराज अडिगा, स्थानीय आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेंद्र कटारिया (आईएएस), डब्ल्यूएमए के अध्यक्ष मार्गिट जुंगमैन और 40 देशों के 300 से अधिक एथलीटों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। 2024 विश्व चैंपियनशिप में भाग लेने वाले गत चैंपियन में पुरुष वर्ग में जापान से हारुकी ओकायामा (विजेता) और जुम्पेई यामागुची (प्रथम उपविजेता) शामिल हैं; अल्ट्रारनिंग में अन्य विश्व चैंपियनों में फ्रांस की फ्लोरियन हॉट (विजेता) और आयरलैंड की कैट्रियोना जेनिंग्स (द्वितीय रनर-अप) महिला वर्ग में शामिल हैं।

सऊदी अरब ने पाकिस्तान को तीन अरब डॉलर का कर्ज चुकाने की अवधि एक साल बढ़ाई

इस्लामाबाद/भाषा। सऊदी अरब ने पाकिस्तान के लिए तीन अरब अमेरिकी डॉलर का कर्ज चुकाने की अवधि एक और साल के लिए बढ़ा दी है। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने यह जानकारी देते हुए कहा कि नकदी की कमी से जूझ रहा देश ऋण का भुगतान नहीं कर सका है। कर्ज चुकाने की अवधि बृहस्पतिवार को खत्म हो रही थी।

अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने कहा कि सऊदी अरब ने शाही निर्देश के अनुसार 2021 में एक साल के लिए तीन अरब डॉलर दिए थे और बाद में इसे 2022 और फिर 2023 में आगे बढ़ाया।

स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने कहा कि कहा कि कर्ज चुकाने की अवधि बढ़ाने से दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों का पता चलता है।

पाकिस्तान को अगले साल जून तक सऊदी अरब, चीन और संयुक्त अरब अमीरात को कम से कम 13 अरब डॉलर का भुगतान करने से बचने की जरूरत है। ऐसे में सऊदी अरब के ऋण पुनर्गठन करने से पाकिस्तान को बड़ी राहत मिली है।

दपरे ने मनाया महापरिनिर्वाण दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। 6 दिसम्बर भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का 68वां महापरिनिर्वाण दिवस है। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के मुख्यालय रेल सौधा में डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे के अतिरिक्त महाप्रबंधक के.एस. जैन और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति रेलवे कर्मचारी संघ के अध्यक्ष के.एस. दयमन्ननवर ने डॉ. बी.आर. के चित्र पर माल्यार्पण किया। रेल सौधा के जीएम के कॉन्फ्रेंस हॉल में अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की और वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

एससी/एसटी एसोसिएशन ने डॉ. बी.आर. की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसी प्रकार की श्रद्धांजलि हुबली में डीआरएम कार्यालय के सामने एससी/एसटी एसोसिएशन के कार्यालय के साथ-साथ दक्षिण-पश्चिम रेलवे के हुब्बल्ली, मैसूरू और बेंगलूरु डिवीजनों में भी डॉ. अम्बेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की गई।

सभा को संबोधित करते हुए, अतिरिक्त महाप्रबंधक के.एस. जैन ने स्थायी प्रासंगिकता पर जोर दिया डॉ. अंबेडकर के दर्शन और आदर्शों के बारे में उन्होंने कहा, डॉ. बी.आर. अंबेडकर एक मानवतावादी थे जिन्होंने असमानता के खिलाफ आवाज उठाई। एक समाज सुधारक के रूप में उनके विचार और योगदान हम सभी को प्रेरित करते रहते हैं।

अनुसूचित जाति के अध्यक्ष और अनुसूचित जनजाति रेलवे कर्मचारी संघ दपरे के के.एस. दयामननवर ने कहा, हम संविधान के निर्माता बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा निर्धारित मार्ग पर चल रहे हैं। सरकार और समाज उनके सिद्धांतों द्वारा निर्देशित एक समतापूर्ण और समावेशी राष्ट्र बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। इस अवसर पर दक्षिण पश्चिम रेलवे के सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

वितरित

वरिष्ठ भाजपा नेता और सांसद रविशंकर प्रसाद शुक्रवार को पटना में एक लाभार्थी को आयुष्मान कार्ड वितरित करते हुए।

ताइवान के नेता ने चीन से धमकियां नहीं देने को कहा

ताइपे/एपी। ताइवान के राष्ट्रपति लाइ चिंग ते ने अपने पहले विदेशी दौरे के समापन पर चीन से लड़ाई झगड़े के बजाय पड़ोसी मुल्कों के लिए अपनी बाहें खोलने का आह्वान किया। लाइ चिंग ते ने मई में पदभार ग्रहण करने के बाद पहला विदेश दौरा किया है।

चिंग ते ने शुक्रवार को प्रशांत द्वीप राष्ट्र पलाऊ में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। यह टिप्पणी ऐसे समय में की गयी, जब चिंग ते के दौरे के जवाब में चीन के ताइवान के आसपास सैन्य अभ्यास करने को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। उन्होंने कहा, पड़ोसी देशों को मजबूर करने के लिए चाहे जितने भी सैन्य अभ्यास और युद्धपोत व विमान इस्तेमाल कर लें लेकिन वह (चीन) किसी भी देश का सम्मान नहीं जीत पाएंगे। चीन के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका द्वारा ताइवान को हाल ही में हथियारों की बिक्री किये जाने की घोषणा के जवाब में 13 अमेरिकी कंपनियों और छह अधिकारियों पर बृहस्पतिवार को प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी, जिसके एक दिन बाद राष्ट्रपति ने यह बात कही।

चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बैचलेट को दिया जाएगा इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार

नई दिल्ली/भाषा। चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बैचलेट को वर्ष 2024 के 'इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार' के लिए चुना गया है। कांग्रेस से संबद्ध संस्था 'इंदिरा गांधी स्मारक न्यास' ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से यह जानकारी दी। विज्ञप्ति के अनुसार, मिशेल को शांति, लैंगिक समानता, मानवाधिकार और विकास में उनके योगदान के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। 'इंदिरा गांधी स्मारक न्यास' द्वारा 'इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार' प्रति वर्ष विश्व के किसी ऐसे व्यक्ति या संस्था को प्रदान किया जाता है जिसने समाज सेवा, निरस्त्रीकरण या विकास के कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो। पुरस्कार के तहत 25 लाख रुपए नकद और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। विज्ञप्ति में कहा गया है, ''चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बैचलेट मानवाधिकार, शांति और समानता के लिए आवाज उठाने को लेकर जानी जाती हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त और चिली की राष्ट्रपति के रूप में अपनी विभिन्न भूमिकाओं में उन्होंने देश और दुनिया भर में लैंगिक समानता एवं आबादी के सबसे कमजोर वर्गों के अधिकारों के लिए दृढ़ता से आवाज उठाई है।''

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com